सुविचार

खुद का अपमान कराके जीने से तो अच्छा मर जाना है क्योंकि प्राणों के त्यागने से केवल एक ही बार कष्ट होता है पर अपमानित होकर जीवित रहने से आजीवन दुःख होता है।

–चाणक्य

हैलो सरकार

जनता की भावनाओं एवं आकांक्षाओं का एकमात्र समाचार-पत्र

पल-पल की टी.वी. एवं रेडियो खबरों के लिए लॉन ऑन करें- www.hellosarkar.com

हैलो सरकार समाचार पत्र में नियमित पाठक बनने, समाचार की प्रति मंगवाने व विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

फोनः 0141-2202717

मोः 9214203182

वाट्सप नं. 9928078717

वर्ष-23 | अंक-238 | दैनिक प्रभात संस्करण | जयपुर, शुक्रवार 02 मई , 2025 | पृष्ठ-4 | मूल्यः 2.50

पूर्व केंद्रीय मंत्री गिरिजा व्यास का निधन

उदयपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री गिरिजा व्यास का गुरुवार शाम निधन हो गया। वे एक माह पहले घर में ही पूजा के दौरान झुलस गई थीं। करीब 95 प्रतिशत झुलसने के बाद वे अहमदाबाद के अस्पताल में उपचाररत थीं। दो-तीन दिन से हालत में गिरावट आई और शाम 7.15 बजे अंतिम सांस ली।

गिरिजा व्यास के भाई गोपाल शर्मा ने बताया कि वे अहमदाबाद के जायडस अस्पताल में उपचाररत थीं। एक माह के उपचार के दौरान भी उनकी स्थिति में ज्यादा सुधार नहीं हो पाया। पिछले दो-तीन दिनों से ब्लड प्रेशर गिरने लगा और निधन हो गया। उनके निधन पर प्रदेशभर के नेताओं ने शोक जताया है।

गौरतलब है कि 31 मार्च को सुबह 11 बजे घर पर गणगौर पूजा के दौरान गिरिजा व्यास गंभीर रूप से झुलस गई थीं। उदयपुर के निजी अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अहमदाबाद भेजा गया था। अहमदाबाद के हॉस्पिटल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में उपचार चला। उनके साथ हुई

घटना से कांग्रेस के तमाम पदाधिकारी चिंता में रहे। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पीसीसी अध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा ने भी अहमदाबाद पहुंचकर कुशलक्षेम पूछी थी, वहीं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बेहतर उपचार को लेकर गुजरात सरकार और चिकित्सकों से संपर्क किया था।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने व्यास के निधन पर शोक जताया। सोशल मीडिया अकाउंट पर उन्होंने लिखा 'पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं पूर्व कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डॉ गिरिजा व्यास का निधन हम सबके लिए एक अपूरणीय क्षति है। डॉ गिरिजा व्यास ने शिक्षा, राजनीति एवं समाज सेवा के क्षेत्र में बड़ा योगदान था। उनका इस तरह एक हादसे का शिकार होकर असमय जाना हम सभी के लिए एक बड़ा आघात है। मैं ईश्वर से उनकी आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने की प्रार्थना करता हूं'। पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं पूर्व कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डॉ गिरिजा व्यास का निधन हम सबके लिए एक अपूरणीय क्षति है। डॉ गिरिजा व्यास ने शिक्षा, राजनीति एवं समाज सेवा के क्षेत्र में बड़ा योगदान था। उनका इस तरह एक हादसे का शिकार होकर असमय जाना हम सभी के लिए एक बड़ा आघात है।

गिरिजा व्यास ने 1977 में कांग्रेस की उदयपुर इकाई की अध्यक्ष के रूप में अपना राजनीतिक सफर शुरू किया था। 1985 में वे उदयपुर से राजस्थान विधानसभा की सदस्य चुनी गईं और 1990 तक विभिन्न मंत्रालयों, जैसे पर्यटन, शिक्षा, और वित्त, में मंत्री के रूप में कार्य किया। वर्ष 1991 में वे पहली बार लोकसभा की सदस्य चुनी गईं और पी.वी. नरसिम्हा राव सरकार में सूचना और प्रसारण मंत्रालय की उपमंत्री बनीं थी। 1993 से वे भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष रहीं। 2005 से 2011 तक वे राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रहीं, जहां उन्होंने महिला अधिकारों के लिए काम किया। 2013-14 में व्यास मनमोहन सिंह सरकार में आवास और शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय की मंत्री रहीं। इसके अलावा, वे कांग्रेस के मीडिया विभाग की अध्यक्ष और भारत-ईयू सिविल सोसायटी की सदस्य भी थीं।

भारत निर्वाचन आयोग की तीन नई पहल

अब बीएलओ को मिलेगा मानक फोटो पहचान पत्र

रवि प्रकाश जूनवाल
हैलो सरकार ब्यूरो प्रमुख,

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची की सटीकता में सुधार और नागरिकों के लिए मतदान प्रक्रिया को और अधिक सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से नई पहल की है। ये उपाय इस वर्ष मार्च में भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) श्री ज्ञानेश कुमार ने निर्वाचन आयुक्तों डॉ सुखबीर सिंह संधू और डॉ विवेक जोशी की उपस्थिति में मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) के सम्मेलन के दौरान परिकल्पित पहलों के अनुरूप हैं।

औपचारिक अनुरोध की प्रतीक्षा किए बिना होगा सत्यापन –

गौर तलब है कि भारत निर्वाचन आयोग अब मतदाता पंजीकरण नियम, 1960 के नियम 9 और जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 (वर्ष 2023 में संशोधित) की धारा 3(5)(बी) के अनुरूप भारत के महापंजीयक से इलेक्ट्रॉनिक रूप से मृत्यु

पंजीकरण डेटा प्राप्त करेगा। इससे निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) को पंजीकृत मृत्यु के बारे में समय पर जानकारी प्राप्त हो सकेगी। इससे बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) को फॉर्म 7 के अंतर्गत औपचारिक अनुरोध की प्रतीक्षा किए बिना, क्षेत्रीय दौरों के माध्यम से सूचना का पुनः सत्यापन करने में सहायता मिलेगी।

मतदाता सूचियों के फोन्ट होंगे बड़े –

मतदाता सूचना पर्चियों (वीआईएस) को मतदाताओं के लिए अधिक अनुकूल बनाने के लिए आयोग ने इसके डिजाइन में भी परिवर्तन करने का निर्णय किया है। मतदाता का सूची क्रमांक और भाग संख्या अब अधिक प्रमुखता से प्रदर्शित की जाएगी, साथ ही फॉन्ट का आकार भी बढ़ाया जाएगा, जिससे मतदाताओं के लिए अपने मतदान केंद्र की पहचान करना और मतदान अधिकारियों के लिए मतदाता सूची में उनके नाम को सुगमतापूर्वक ढूंढना आसान हो जाएगा।

घर-घर जाकर दौरा करते समय बीएलओ के गले में होगा पहचान पत्र –

आयोग ने यह भी निर्देश दिया है कि सभी बीएलओ, जिन्हें जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 13बी (2) के अंगर्गत ईआरओ द्वारा नियुक्त किया जाता है, को मानक फोटो पहचान पत्र जारी किए जाएं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मतदाता सत्यापन और पंजीकरण अभियान के दौरान नागरिक बीएलओ को पहचान सकें और उनके साथ आत्मविश्वास से बातचीत कर सकें। चुनाव संबंधी कर्तव्यों के निष्पादन में मतदाताओं और भारत निर्वाचन आयोग के बीच पहले इंटरफेस के रूप में, यह महत्वपूर्ण है कि घर-घर जाकर दौरा करते समय बीएलओ जनता के लिए आसानी से पहचाने जा सकें।

संघ लोक सेवा आयोग की सदस्य बनीं सुश्री सुजाता चतुर्वेदी

रवि प्रकाश जूनवाल
हैलो सरकार ब्यूरो प्रमुख

नई दिल्ली। सुश्री सुजाता चतुर्वेदी ने आज संघ लोक सेवा आयोग के सदस्य के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। सुश्री चतुर्वेदी युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के खेल विभाग की पूर्व सचिव रही हैं। आयोग के वरिष्ठतम सदस्य लेफ्टिनेंट जनरल राज शुक्ला (सेवानिवृत्त) ने उन्हें शपथ दिलाई।

कौन है सुश्री सुजाता चतुर्वेदी –

सुश्री सुजाता चतुर्वेदी महाराष्ट्र राज्य से हैं और हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, रूसी और मराठी भाषाओं में पारंगत हैं। सुश्री चतुर्वेदी भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1989 बैच की अधिकारी हैं और उन्हें बिहार कैडर आवंटित हुआ था। उनके पास कैडर के साथ-साथ भारत सरकार में तीन दशकों से अधिक का विशाल प्रशासनिक अनुभव है। राज्य में, उन्होंने वित्त विभाग की प्रधान सचिव, वाणिज्यिक कर आयुक्त, वित्त विभाग की सचिव, शहरी विकास विभाग की उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया। केंद्र में, उन्होंने युवा कार्यक्रम और खेल सचिव, डीओपीटी में अपर सचिव और भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण में क्षेत्रीय उप महानिदेशक के पद पर कार्य किया। सुश्री चतुर्वेदी ने खेल विभाग की सचिव के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान देश में खेलों के समग्र विकास के लिए कई पहलों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसमें कुछ प्रमुख पहलों में वार्षिक खेलो इंडिया गेम्स की मेजबानी, फिडे शतरंज ओलंपियाड, फीफा अंडर -17 महिला विश्व कप, एक राष्ट्रीय खेल भंडार प्रणाली का कार्यान्वयन, मानक खेल सुविधाओं की देशव्यापी मैपिंग और डोपिंग के खिलाफ देश की लड़ाई को मजबूत करने के लिए एंटी-डोपिंग बिल का अधिनियमन सम्मिलित हैं।

सुश्री सुजाता चतुर्वेदी ने नागपुर विश्वविद्यालय से अंग्रेजी में स्नातक और इतिहास में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने लोक प्रशासन में एम.फिल और रूसी भाषा में डिप्लोमा भी किया है।

विधिक सहायता जागरूकता शिविर से लोगों में आई चेतना

रवि प्रकाश जूनवाल
हैलो सरकार ब्यूरो प्रमुख

चाकसू। जयपुर जिले की तहसील चाकसू में विधिक सहायता जागरूकता अभियान के कार्यक्रम से स्थानीय लोगों ने कानूनों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिली। इस कार्यक्रम के तहत विभिन्न जगहों पर जागरूकता शिविर का आयोजन कर विभिन्न श्रेणी के व्यक्तियों को विधिक जानकारी देकर उनके अधिकारों से अवगत करवाया तथा लोक अदालतों का महत्व समझाया गया।

गौरतलब है कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर महानगर प्रथम के आदेशानुसार पैनल अधिवक्ता अमित बाहेती एडवोकेट एवं सहयोगी रामस्वरूप मीणा ने स्थानीय विद्यालय में उपस्थित होकर विद्यार्थियों एवं कर्मचारीयों को लोक अदालतों का महत्त्व एवं बाल विवाह रोकथाम, शिक्षा जागरूकता एवं जनजातीय व्यक्तियों के अधिकारों से अवगत करवाया। पैनल एडवोकेट अमित बाहेती ने सरकारी विद्यालय, सरकारी अस्पताल, कोटखावदा मोड, कंजर बस्ती, हरिजन मोहल्ला में जाकर आमजन, जातीय एवं जनजाति के व्यक्तियों को निःशुल्क विधिक सहायता बाबत उनके अधिकारों से अवगत करवाते हुए लोक अदालतों का महत्त्व समझाया।

चाकसू नगर के गणमान्य व्यक्तियों से अपील की कि वे लोगों को लोक अदालतों के माध्यम से उनके विधिक अधिकार तथा निःशुल्क विधिक सहायता का लाभ दिलवाने में मदद करें। पैनल अधिवक्ता अमित बाहेती एडवोकेट ने लोगों को अवगत कराया कि बीपीएल श्रेणी के गरीब व्यक्ति, विधवा महिलाएं एवं असक्षम व्यक्ति ए डी आर में आवेदन कर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निःशुल्क वकील नियुक्त करवा सकते हैं।

पैनल अधिवक्ता अमित बाहेती एडवोकेट एवं उनके सहयोगी रामस्वरूप मीणा ने लोगों को समझाया कि सरकार तथा न्यायालय द्वारा समय-समय पर विधिक सहायता कैंपों का आयोजन किया जाता है। उसका लाभ अवश्य उठाना चाहिए।

मन्दिर श्री जी महाराज की भूमि को निगल गये भूमाफिया

हैलो सरकार
विशेष संवाददाता

जयपुर। भाजपानीत डबल इंजन की सरकार मंदिर के नाम की बैसाखियों के सहारे सत्ता में आई है, इसमें कोई संदेह नहीं है। लेकिन राजस्थान की राजधानी जयपुर शहर में ही भू-माफिया लोगों ने कई साल पहले से ही भगवान श्री जी महाराज की मंदिर को जमीन पर कब्जा कर के अवैध निर्माण कर दिया है।

खसरा नंबर 175, 177, 178 पर बनी हुई है बड़ी बड़ी इमारतें –

गौरतलब है कि छोटी काशी के नाम से कहे जाने वाले जयपुर शहर में भगवान श्री जी महाराज की मंदिर को जमीन को कुछ भूमाफिया लोगों ने कब्जा कर के अवैध निर्माण कर दिया है। जी हां, यह बात पूरे सौलह आने सही है। जिला जयपुर की तहसील जयपुर के ग्राम बड़ोदिया के खसरा नंबर 175, 177, 178 वर्तमान राजस्व रिकॉर्ड में माफी मंदिर श्री

जी महाराज के मंदिर के नाम से अंकित है। उक्त माफी मंदिर भूमि पर भू-माफियाओं लोगों ने अवैध अतिक्रमण कर रखा है तथा बड़े-बड़े कॉम्पलेक्स एवं मॉल बना रखे हैं, जबकि कानूनन माफी मंदिर जमीन पर किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार का मालिकाना, हक, हकूक व स्वामित्व नहीं प्राप्त हो सकता है।

लोगों ने भगवान की जमीन को भी नहीं बक्सा –

भगवान श्री जी महाराज की मंदिर की जमीन को कुछ भूमाफिया लोगों ने कब्जा कर के अवैध निर्माण करने पर सरकार जानबूझकर अनजान बनी हुई है। इससे यह बात स्पष्ट हो जाती है कि सरकार के नुमाइंदे भूमाफियाओं से मिले हुए है।

इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा राजस्थान सरकार बेझिझक और निर्भीक होकर श्री जी महाराज के मंदिर को भूमि को भू-माफियाओं का कब्जा हटाकर उक्त माफी मंदिर भूमि को अतिक्रमण से मुक्त करवाने की पुरजोर कार्यवाही करें। अन्यथा नैतिकता के आधार पर धर्म के नाम पर राजनीति नहीं करनी चाहिए।

नरेश मीणा को कोर्ट से मिली बड़ी राहत, सबूतों के अभावों में हुए बरी

जयपुर। राजस्थान की राजनीति में चर्चित चेहरा बन चुके नरेश मीणा को गुरुवार को जयपुर

सेशन कोर्ट से बड़ी राहत मिली। जयपुर महानगर प्रथम की एम एम -12 अदालत ने करीब 20 साल पुराने मामले में उन्हें साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया। यह मामला 5 अगस्त 2004 को जयपुर यूनिवर्सिटी में हुए एक घूमर कार्यक्रम के दौरान रोड जाम और राजकार्य में बाधा डालने से जुड़ा था।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने माना कि पुलिस द्वारा कोई स्वतंत्र गवाह पेश नहीं किया गया और मुख्य परिवादी भी ट्रायल के दौरान कोर्ट में पेश नहीं हुआ।

2004 का क्रमसे जुड़ा है केस

दरअसल, 5 अगस्त 2004 को जयपुर यूनिवर्सिटी कैंपस में दोपहर 1 बजे घूमर कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के दौरान महिला गेट पर कॉन्स्टेबल मानसिंह और अन्य पुलिसकर्मी तैनात थे।

लालसोट पुलिस धन्यवाद के पात्र-बिछड़ी बच्ची को ढूंढ निकाला

हैलो सरकार न्यूज़ नेटवर्क

लालसोट। शादी समारोह में गई दौसा जिले के लालसोट क्षेत्र की 12 वर्षीय बच्ची लापता हो गई। बच्ची अपने परिजनों से कहीं बिछड़ गई थी। जिससे समारोह का मजा ही किरकिरा हो गया।

बच्ची को खोजने में डीएसपी दिलीप मीणा की अहम भूमिका

डीएसपी दिलीप मीणा ने बताया कि बिहारीपुरा गांव में मानसिक रूप से कमजोर बच्ची मंगलवार रात को अपनी दादी के साथ शादी समारोह में भोजन करने गई थी। वापसी के दौरान वो अपने परिजनों से बिछड़ गई। रात भर परिजनों ने बच्ची को आस-पास तलाश किया, लेकिन कहीं पता नहीं चला। इसके बाद परिजनों ने बुधवार सवेरे लालसोट थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। डीएसपी के नेतृत्व में लालसोट, मंडावरी और झांपदा

थानों की टीमों का गठन किया गया। पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू किया और मोरेल बांध के पास कांकरिया की ढाणी में बच्ची को सकुशल बरामद कर लिया। बुधवार शाम को जब पुलिस ने बच्ची को उसके परिजनों के सुपुर्द किया, तो दादी समेत सभी परिजनों की आंखों में खुशी के आंसू आ गए।

पुलिस के सहरानीय काम से हर कोई संतुष्ट

पुलिस के इस सहरानीय काम से हर कोई संतुष्ट हैं। कांकरिया की ढाणी से सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से बच्ची को सुरक्षित ढूंढ निकालने में सफलता मिली। इसलिए लालसोट पुलिस धन्यवाद के पात्र है।

अक्षय तृतीया में होता है कर्मों का अक्षय पुण्य

रविप्रकाश जूनवाल
हैलो सरकार ब्यूरो प्रमुख

कोटपूतली। राजस्थान के कोटपूतली शहर में अक्षय तृतीया के अवसर पर युवा रेवोल्यूशन सामाजिक संगठन ने बानसूर रोड स्थित गोकुल सरोवर पार्क में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश कोषाध्यक्ष दिनेश मित्तल मुख्य अतिथि आपको बता दे, जीवन में अक्षय पुण्य की भावना से प्रेरित होकर युवा वर्ग अब वृक्षारोपण जैसे कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेता है। इस बात की बानगी कोटपूतली शहर में देखने को मिली। कोटपूतली में अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर वृक्षारोपण का कार्यक्रम शुरू किया गया। कार्यक्रम में भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश कोषाध्यक्ष दिनेश मित्तल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। जहां पर तेजस दास महाराज की उपस्थिति में संपन्न हुए इस कार्यक्रम में 51 विभिन्न प्रजातियों के पेड़ लगाए गए। युवा रेवोल्यूशन ने इन पेड़ों की देखभाल की जिम्मेदारी भी ली है। दिनेश मित्तल ने कहा-पेड़ हमारे जीवन के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने युवा रेवोल्यूशन की इस पहल की सराहना की। युवा रेवोल्यूशन के अध्यक्ष मनोज चौधरी ने बताया कि यह आयोजन पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास है। तेजस दास महाराज ने पर्यावरण संरक्षण को सभी की जिम्मेदारी बताया। उन्होंने इस तरह के आयोजनों में भविष्य में भी सहयोग का आश्वासन दिया।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में शिक्षाविद डॉ. जेपी कोटिया सहित गौरव शर्मा, राजवीर गुर्जर, मनोज शेखावत, अजीत यादव, दीपक स्वामी, ज्ञानी सिंह, पूरण सैन और आलोक शर्मा समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सावधान | आपके साथ भी हो सकता है साइबर फ्रॉड -38.80 लाख के साइबर फ्रॉड मामले में एक और गिरफ्तार

मीनेश चंद्र मीना
हैलो सरकार ब्यूरो प्रमुख

दौसा। राजस्थान प्रदेश के दौसा जिले की साइबर क्राइम थाना पुलिस ने लोन अकाउंट हैक कर 38 लाख 80 हजार की साइबर ठगी के मामले में फरार चल रहे एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

गौर तलब है कि इस सम्बन्ध में खुरी कलां निवासी पीड़ित हंसराज गुर्जर ने साइबर क्राइम थाने में एफआइआर दर्ज कराई थी। जिसमें बताया कि 22 नवंबर को उसके मोबाइल पर कॉल आया कि मैं बैंक से बोल रहा हूं। आपके बैंक अकाउंट की साम्ट डिजिट को बॉयोडाटा में अपडेट करना है। इसके बाद पीडित ने एक्सिस बैंक ब्रांच में फोन कर जानकारी ली कॉलर सही होना बताया।

बायोडाटा अपडेट करने के बहाने लेते हैं जानकारी

रिपोर्ट में बताया कि 10

दिसंबर को उसके पास किसी परिचित ने 50 हजार रूपए भेजे थे, जिनका मैसेज नहीं आने पर बैंक पहुंचकर सम्पर्क किया तो पता चला कि उनके अकाउंट से 22 नवंबर से 27 नवंबर के बीच में 38 लाख 80 हजार 112 रुपए निकाले गये हैं। इस दौरान उसके फोन पर ट्रांजेक्शन का कोई टेस्ट मैसेज या बैंक से कोई फोन नहीं आया। जबकि इतना बडा ट्रांजेक्शन सिर्फ 6 दिन में हुआ। पीड़ित ने बताया कि बैंक में खाता खुलवाने से लेकर अभी तक कोई भी नेटबैंकिंग, डेबिट कार्ड, मोबाइल बैंकिंग आदि कोई भी ऑनलाइन सुविधा नहीं ले रखी थी और ना ही कभी ऑनलाइन ट्रांजेक्शन किया। केवल चैक बुक के द्वारा ही भुगतान लिया जाता था। पीडित की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

दोसा की साइबर थाने की बड़ी उपलब्धि

मामले में पुलिस ने शौकत खान निवासी जालुकी डीग को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी के बैंक अकाउंट में करीब 9 लाख 80 हजार रुपए बतौर कमीशन मिले। वहीं तीन आरोपियों को पुलिस पहले गिरफ्तार कर चुकी है।

आदि शंकराचार्य ने हिन्दू संस्कृति को पुनर्जीवित किया

आठ वर्ष की आयु में चारों वेदों में निष्णात हो गए, बारह वर्ष की आयु में सभी शास्त्रों में पारंगत, सोलह वर्ष की आयु में शांकरभाष्य तथा बत्तीस वर्ष की आयु में शरीर त्याग दिया। ब्रह्मसूत्र के ऊपर शांकरभाष्य की रचना कर विश्व को एक सूत्र में बांधने का प्रयास भी शंकराचार्य के द्वारा किया गया है, जो कि सामान्य मानव से सम्भव नहीं है। शंकराचार्य के दर्शन में सगुण ब्रह्म तथा निर्गुण ब्रह्म दोनों का हम दर्शन कर सकते हैं। निर्गुण ब्रह्म उनका निराकार ईश्वर है तथा सगुण ब्रह्म साकार ईश्वर है। जीव अज्ञान व्यष्टि की उपाधि से युक्त है।

(लेखक - ललित गर्ग)

(आदि शंकराचार्य जयन्ती - 2 मई, 2025)

महापुरुषों की कीर्ति युग-युगों तक स्थापित रहती। उनका लोकहितकारी चिंतन, दर्शन एवं कर्तृत्व कालजयी होता है, सार्वभौमिक, सार्वदैशिक एवं सार्वकालिक होता है और युगों-युगों तक समाज का मार्गदर्शन करता हैं। आदि शंकराचार्य हमारे ऐसे ही एक प्रकाशस्तंभ हैं जिन्होंने एक महान हिंदू धर्माचार्य, दार्शनिक, गुरु, योगी, धर्मप्रवर्तक और संन्यासी के रूप में 8वीं शताब्दी में अद्वैत वेदांत दर्शन का प्रचार किया था। हिन्दुओं को संगठित किया। उन्होंने चार मठों की स्थापना की, जो भारत के विभिन्न हिस्सों में स्थित हैं। आदि गुरु शंकराचार्य हिंदू धर्म में एक विशेष स्थान रखते हैं, उनके विराट व्यक्तित्व को किसी उपमा से उपमित करने का अर्थ है उनके व्यक्तित्व को ससीम बनाना। उनके लिये इतना ही कहा जा सकता है कि वे अनिर्वचनीय है। उन्हें हम धर्मक्रांति एवं समाज-क्रांति का सूत्रधार कह सकते हैं। अपने जन्मकाल से ही शिशु शंकराचार्य के मस्तक पर चक्र का चिन्ह, ललाट पर तीसरे नेत्र तथा कंधे पर त्रिशूल जैसी आकृति अंकित थी, इसी कारण आदि शंकराचार्य को भगवान शिव का अवतार भी माना जाता है। भगवान शिव ने उन्हें साक्षात् दर्शन देकर अंध-विश्वास, रूढ़ियों, अज्ञानता एवं पाखण्ड के विरूद्ध जनजागृति का अभियान चलाने का आशीर्वाद दिया। उन्होंने भयाक्रांत और धर्म विमुख जनता को अपनी आध्यात्मिक शक्ति और संगठन युक्ति से संबल प्रदान किया था। उन्होंने नए ढंग से हिंदू धर्म का प्रचार-प्रसार किया और लोगों को सनातन धर्म का सही एवं वास्तविक अर्थ समझाया।

आदि शंकराचार्य के अनूठे प्रयासों से ही आज हिन्दू धर्म बचा हुआ है एवं सनातन धर्म परचम फहरा रहा है। शंकराचार्य ने अपने 32 वर्ष के अल्प जीवन में ही पूरे भारत की तीन बार पदयात्रा की और अपनी अद्भुत आध्यात्मिक शक्ति और संगठन कौशल से उस समय के 72 संप्रदायों तथा 80 से अधिक राज्यों में बंटे इस देश को सांस्कृतिक एकता के सूत्र में इस प्रकार बांधा कि यह शताब्दियों तक विदेशी आक्रमणकारियों से स्वयं को बचा सका और अखण्ड बना रहा। ऐसे दिव्य एवं अलौकिक संत पुरुष का जन्म धार्मिक मान्यताओं के अनुसार आठवीं सदी में वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को केरल के कालड़ी गांव में ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम शिवगुरु और माता का नाम आर्यम्बा था। बहुत दिन तक सपत्नीक शिव की आराधना करने के अनंतर शिवगुरु ने पुत्र-रत्न पाया था, अतः उसका नाम शंकर रखा। जब ये तीन ही वर्ष के थे तब इनके पिता का देहांत हो गया। ये बड़े ही मेधावी तथा प्रतिभाशाली थे। छह वर्ष की अवस्था में ही ये प्रकांड पंडित हो गए थे और आठ वर्ष की अवस्था में इन्होंने संन्यास ग्रहण किया था। इनके संन्यास ग्रहण करने के समय की कथा बड़ी विचित्र है। कहते हैं, माता एकमात्र पुत्र को संन्यासी बनने की आज्ञा नहीं दे रही थीं। तब एक दिन नदी किनारे एक मगरमच्छ ने शंकराचार्यजी का पैर पकड़ लिया तब इस वक्त का फायदा उठाते हुए शंकराचार्यजी ने अपने माँ से कहा 'माँ मुझे संन्यास लेने की आज्ञा दो, अन्यथा यह मगरमच्छ मुझे खा जायेगां।' इससे भयभीत होकर माता ने तुरंत इन्हें संन्यासी होने की आज्ञा प्रदान की; और आश्चर्य की बात है कि जैसे ही माता ने आज्ञा दी वैसे ही तुरन्त मगरमच्छ ने शंकराचार्यजी का पैर छोड़ दिया। इन्होंने गोविन्द नाथ से संन्यास ग्रहण किया, जो आगे चलकर आदि गुरु शंकराचार्य कहलाए।

आदि शंकराचार्य ने प्राचीन भारतीय उपनिषदों के सिद्धांत और हिन्दू संस्कृति को पुनर्जीवित करने का अनूठा एवं ऐतिहासिक कार्य किया। साथ ही उन्होंने अद्वैत वेदान्त के सिद्धान्त को प्राथमिकता से स्थापित किया। उन्होंने धर्म के नाम पर फैलाई जा रही तरह-तरह की भ्रांतियों को मिटाने का काम किया। सदियों तक पंडितों द्वारा लोगों को शास्त्रों के नाम पर जो गलत शिक्षा दी जा रही थी, उसके स्थान पर सही शिक्षा देने का कार्य आदि शंकराचार्य ने ही किया। आज शंकराचार्य को एक उपाधि के रूप में देखा जाता है, जो समय-समय पर एक योग्य व्यक्ति को सौंपी जाती है। आदि गुरु शंकराचार्य ने हिंदू धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए चार अगल दिशाओं में चार मठों की स्थापना की। भगवद्गीता, उपनिषदों और वेदांतसूत्रों पर लिखी हुई इनकी टीकाएँ बहुत प्रसिद्ध हैं। इन्होंने अनेक विधर्मियों को भी अपने धर्म में दीक्षित किया था। इन्होंने ब्रह्मसूत्रों की बड़ी ही विशद और रोचक व्याख्या की है।

आदि शंकराचार्य ने हिन्दुओं को संगठित करने के लिए सबसे पहले दक्षिण दिशा में तुंगभद्रा नदी के तट पर श्रृंगेरी मठ की स्थापना की। यहां के देवता आदिवाराह, देवी शारदाम्बा, वेद यजुर्वेद और महावाक्य 'अहं ब्रह्मस्मि' है। सुरेश्वराचार्य को मठ का अध्यक्ष नियुक्त किया। इसके बाद उन्होंने उत्तर दिशा में अलकनंदा नदी के तट पर बद्रिकाश्रम (बद्रीनाथ) के पास ज्योतिर्मठ की स्थापना की जिसके देवता श्रीमन्नारायण तथा देवी श्रीपूर्णगिरि हैं। यहां के संप्रदाय का नाम आनंदवार, वेद अर्थवेद तथा महावाक्य 'अयमात्मा ब्रह्म' है। मठ का अध्यक्ष तोटकाचार्य को बनाया। पश्चिम में उन्होंने द्वारकापुरी में शारदा मठ की स्थापना की जहां के देवता सिद्धेश्वर, देवी भद्रकाली, वेद, सामवेद और महावाक्य 'तत्वमसि' है। इस मठ का अध्यक्ष हस्तमानवाचार्य को बनाया। उधर पूर्व दिशा में जगन्नाथ मठ, जहां की देवी विशाला, वेद ऋग्वेद और महावाक्य 'प्रज्ञान ब्रह्म' है। यहां उन्होंने हस्तामलकाचार्य को मठ का अध्यक्ष बनाया। इस प्रकार शंकाराचार्य ने अपने सांगठनिक कौशल से संपूर्ण भारत को धर्म एवं संस्कृति के अटूट बंधन में बांधकर विभिन्न मत-मतांतरों के माध्यम से सामंजस्य स्थापित किया।

आठ वर्ष की आयु में चारों वेदों में निष्णात हो गए, बारह वर्ष की आयु में सभी शास्त्रों में पारंगत, सोलह वर्ष की आयु में शांकरभाष्य तथा बत्तीस वर्ष की आयु में शरीर त्याग दिया। ब्रह्मसूत्र के ऊपर शांकरभाष्य की रचना कर विश्व को एक सूत्र में बांधने का प्रयास भी शंकराचार्य के द्वारा किया गया है, जो कि सामान्य मानव से सम्भव नहीं है। शंकराचार्य के दर्शन में सगुण ब्रह्म तथा निर्गुण ब्रह्म दोनों का हम दर्शन कर सकते हैं। निर्गुण ब्रह्म उनका निराकार ईश्वर है तथा सगुण ब्रह्म साकार ईश्वर है। जीव अज्ञान व्यष्टि की उपाधि से युक्त है। तत्त्वमसि तुम ही ब्रह्म हो; अहं ब्रह्मास्मि मैं ही ब्रह्म हूं; अयामात्मा ब्रह्म यह आत्मा ही ब्रह्म है; इन बृहदारण्यकोपनिषद् तथा छान्दोग्योपनिषद वाक्यों के द्वारा इस जीवात्मा को निराकार ब्रह्म से अभिन्न स्थापित करने का प्रयत्न शंकराचार्यजी ने किया है। ब्रह्म को जगत् के उत्पत्ति, स्थिति तथा प्रलय का निमित्त कारण बताया हैं। ब्रह्म सत् (त्रिकालाबाधित) नित्य, चैतन्यस्वरूप तथा आनंद स्वरूप है। ऐसा उन्होंने स्वीकार किया है।

जिस युग में आदि शंकराचार्य ने जन्म लिया उस समय देशी-विदेशी प्रभावों के दबाव में भारतीय संस्कृति संक्रमण के दौर से गुजर रही थी और उसका पतन आरंभ हो गया था। उन्होंने भयाक्रांत और धर्म विमुख जनता को अपनी आध्यात्मिक शक्ति और संगठन युक्ति से संबल प्रदान किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'आदि शंकर जन्म भूमि क्षेत्रम' में प्रार्थना करते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ियां संत-दार्शनिक आदि शंकराचार्य द्वारा हमारी संस्कृति की रक्षा में दिए योगदान की ऋणी रहेंगी। उन्होंने भारत के हर कोने में वेद-वेदांत का प्रसार कर सनातन परंपरा को सशक्त एवं सुदृढ़ किया। दिव्य ज्ञान से आलोकित उनका संदेश देशवासियों के लिए सदैव पथ-प्रदर्शक बना रहेगा। पूर्व राष्ट्रपति एवं दार्शनिक डॉ. राधाकृष्णन ने उन्हें प्राचीन परंपरा का भाष्यकार आचार्य बताते हुए लिखा है कि देश के अन्य भाष्यकारों की तरह अपने अध्ययन में उन्होंने कभी भी किसी प्रकार की मौलिकता का दावा नहीं किया। भारत में आदि शंकराचार्य के प्रयास से एक ऐसे आंदोलन का आविर्भाव हुआ जो सनातन वैदिक धर्म को उसकी अस्पष्टताओं और असंगतियों से निकालकर स्पष्ट तथा सर्वसाधारण के लिए स्वीकार्य बनाना चाहता था। उनकी शिक्षा का आधार उपनिषद थे। उनके द्वारा स्थापित मठों की उपासना पद्धतियां सरल है। वेदांत के विरोधियों से शास्त्रार्थ करने के उनके उत्साह के कारण देश के विभिन्न दार्शनिक केंद्रों में जो जड़ता आई थी उनमें एक नए विचार-विमर्श की प्रेरणा आरंभ हुई। शंकर द्वारा स्वीकृत दर्शन तथा संगठन बौद्धों के दर्शन और संगठन से मिलते-जुलते थे। आदि शंकराचार्य ने भारत में बढ़ते विभिन्न मतों पर उन्हीं की पद्धति से अपनी वैचारिक श्रेष्ठता सिद्ध की और सनातन वैदिक धर्म की पुनरुत्थान किया।

संपादकीय

न रहेगी फीस की टीस

निस्संदेह, सरस्वती के मंदिरों का व्यापार का केंद्र बनना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। नौकरियों में अंग्रेजी के वर्चस्व के चलते अभिभावक अपना पेट काटकर बच्चों को महंगे पब्लिक स्कूलों में पढ़ाते हैं। लेकिन सीमित आय वर्ग वाले कर्मचारियों व आम लोगों का कष्ट तब बढ़ जाता है जब स्कूल प्रबंधन मनमाने ढंग से हर साल फीस बढ़ाने लगते हैं। दलील दी जाती हैं कि छात्रों को गुणवत्ता की शिक्षा देने और योग्य शिक्षकों के अच्छे वेतन हेतु फीस बढ़ाने की जरूरत होती है। सर्वविदित है कि निजी स्कूलों के शिक्षकों की तनख्वाह सरकारी स्कूलों के शिक्षकों के मुकाबले काफी कम होती है। दरअसल, केवल स्कूल की फीस ही नहीं बढ़ती बल्कि तमाम अन्य मदों में अभिभावकों की जेब तराशने का सिलसिला सारे साल बदस्तूर चलता रहता है। बच्चों के बेहतर भविष्य के लिये अभिभावक भी फीस की टीस को बर्दाश्त करते हैं। लेकिन जब दिल्ली के स्कूल प्रबंधकों की मनमानी सीमा पार करने लगी तो अभिभावक विरोध में सड़कों पर उतर आये। दिल्ली सरकार भी हरकत में आई और आनन-फानन में फीस नियंत्रण के लिये एक विधेयक लाया गया। सभी के लिये किफायती और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 का प्रमुख लक्ष्य रहा है। लेकिन इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य के मार्ग पर एक बड़ी बाधा निजी स्कूलों द्वारा अभिभावकों का आर्थिक शोषण रहा है। मुख्य रूप से ये स्कूल पूरी तरह लाभ के लिये संचालित किए जाते हैं। दरअसल, इस मामले में जांच व नियमन का मजबूत तंत्र न होने का लाभ निजी स्कूल उठाते रहे हैं। जिसने शिक्षा के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर व्यावसायीकरण को बढ़ावा दिया है। ऐसे में दिल्ली सरकार की कैबिनेट का राष्ट्रीय राजधानी के सभी स्कूलों में फीस के नियमन को एक विधेयक को मंजूरी देना सुखद ही है। जिसके अंतर्गत उचित अनुमोदन के बिना फीस बढ़ाने पर दस लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। निश्चय ही दिल्ली सरकार की इस पहल का स्वागत किया जाना चाहिए। इससे उन अभिभावकों को राहत मिलेगी जो हर साल फीस बढ़ाए जाने से त्रस्त रहते हैं। बताया जा रहा है कि जल्दी ही विधानसभा में पेश किए जाने वाले इस विधेयक में स्कूलों के लिये जिला व राज्य स्तर पर समितियों के गठन का प्रस्ताव है। इनके पैनल द्वारा पारदर्शी व समयबद्ध तरीके से स्कूल प्रबंधन द्वारा फीस वृद्धि के प्रस्तावों की जांच की जाएगी। निस्संदेह, इस विधेयक का मकसद असहाय अभिभावकों को स्कूल प्रबंधन के मनमाने फैसलों से बचाना है। दरअसल, देखने में आया है कि स्कूल प्रबंधन से जुड़े अधिकारी मनमाने ढंग से फीस में बढ़ोतरी करते रहते हैं। जो एक जबरन वसूली जैसा ही है, वजह है स्कूल के अधिकारियों के पास तमाम अधिकारों का होना। उल्लेखनीय है कि देश में गुजरात, राजस्थान और तमिलनाडु समेत कई राज्यों ने स्कूलों में फीस की संरचना को विनियमित करने के लिये कानून बनाये हैं। हालांकि, अकसर राज्य सरकारें इस मामले में खुद को अदालती लड़ाई में उलझा पाती हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2021 में, सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान स्कूल फीस विनियमन अधिनियम, 2016 की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा है। जिसमें शिक्षा में मुनाफाखोरी रोकने के राज्य के अधिकार की पुष्टि की गई है। निस्संदेह, ऐसी ही स्थितियों में दिल्ली में प्रभावित अभिभावकों के विरोध प्रदर्शनों ने दिल्ली की भाजपा सरकार को एक नियामक विधेयक लाने के लिये बाध्य किया।

श्रीकृष्ण-भक्ति के दिव्य एवं अलौकिक प्रतीक हैं सूरदास

(लेखक- ललित गर्ग) (सूरदास जयन्ती- 2 मई, 2025)

इस संसार में यदि सबसे बड़ा कोई संगीतकार है तो वो हैं श्रीकृष्ण। जिस प्रकार से तत्व, रज और तम-इन तीनों गुणों के समन्वय को प्रकृति कहा गया है, उसी प्रकार से गायन, वादन और भक्ति इन तीनों में जो रमा हो, जो पारंगत हो उसे श्रीकृष्ण-भक्त गया गया है। ऐसे ही दिव्य एवं अलौकिक श्रीकृष्ण भक्ति के एक महान् चितेरे एवं श्रीकृष्ण भक्ति को समर्पित शीर्षस्थ भक्त-कवि व्यक्तित्व हैं सूरदासजी। वे एक दृष्टिहीन संत थे, जिन्होंने पूरी दुनिया को श्रीकृष्ण भक्ति का मार्ग दिखाया। वे बचपन से ही भगवान श्रीकृष्ण के प्रति समर्पित थे और उनकी भक्ति में पूरी तरह से डूब गए। वे एक महान भक्ति कवि एवं हिन्दी साहित्य के सूर्य माने जाते हैं। उनका आदर्श चरित्र और जीवन दर्शन अंधेरे को भी उजाला प्रदान करता है। वे जहां भक्त, वैरागी, त्यागी और संत थे, वहीं वह उत्कृष्टतम काव्य प्रतिभा के धनी एवं गायन में कुशल भी थे। इसलिए उनके अन्तर्मन की पावन भक्तिधारा मन्दाकिनी की भांति कल-कल करके प्रस्फुटित हुई।

सूरदास ने जीवनपर्यंत भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति की और ब्रज भाषा में उनकी लीलाओं का वर्णन किया। कान्हा की भक्ति में उन्होंने कई गीत, दोहे और कविताएं लिखी हैं। प्रभु श्रीकृष्ण का गुणगान करते हुए उन्होंने सूरसागर, सूर-सारवली और साहित्य लहरी जैसी महत्वपूर्ण रचनाएं कीं, जो भक्ति-साहित्य की अनमोल धरोहर है। उनका जन्म एक निर्धन ब्राह्मण परिवार में संभवतः सन् 1535 की वैशाख शुक्ल पंचमी को हुआ जो इस वर्ष की 2 मई, 2025 है। चार भाइयों में सूरदास सबसे छोटे एवं नेत्रहीन थे। माता-पिता इनकी ओर से उदासीन रहते थे। निर्धनता एवं माता-पिता की उनके प्रति उदासीनता ने उन्हें विरक्त बना दिया। वह घर से निकल कर चार कोस की दूरी पर तालाब के किनारे रहने लगे।

सूरदास, श्रीकृष्ण भक्ति के महान कवियों में से एक हैं, जिनकी भक्ति में प्रेम, माधुर्य और विरह का अनूठा संगम है। सूरदास की भक्ति सगुण भक्ति धारा के पुष्टिमार्ग से जुड़ी है, जहाँ वे श्रीकृष्ण को अपने जीवन का सर्वस्व मानते हैं। उनकी भक्ति में सख्य भाव की प्रधानता है, जहाँ वे श्रीकृष्ण को अपना सखा मानते हैं और उनके साथ प्रेममय संबंध स्थापित करते हैं। सूरदास का व्यक्तित्व भी बहुत विरल है, वे एक अनूठे भक्त थे जो श्रीकृष्ण के प्रति सर्वात्मना समर्पित थे और उनकी भक्ति में पूरी तरह से लीन थे। उन्होंने ऐसे समय में श्रीकृष्ण भक्ति की धारा प्रवाहित की जब समाज में धर्म की हानि हो रही थी, अधर्म पुष्ट हो रहा था, सज्जन कष्ट झेल रहे थे और दुर्जन आनन्द भोग रहे थे। ऐसे समय में सूरदास भला तटस्थ कैसे रहते? इस तरह सूरदास की भक्ति केवल श्रीकृष्ण तक ही सीमित नहीं थी, बल्कि उन्होंने अपने काव्य में मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं को भी चित्रित किया है। मान्यता के अनुसार एक बार सूरदास श्रीकृष्ण की भक्ति में इतने डूब गए थे कि वे एक कुंए में जा गिरे, जिसके बाद भगवान श्रीकृष्ण ने खुद उनकी जान बचाई और आंखों की रोशनी वापस कर दी। जब श्रीकृष्ण भगवान ने उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर वरदान में कुछ मांगने के लिए कहा तो उन्होंने कहा कि 'आप फिर से मुझे अंधा कर दें। मैं श्रीकृष्ण के अलावा अन्य किसी को देखना नहीं चाहता।' वे भले ही अंधे थे, लेकिन उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं को अपने हृदय से देखा और सुना और उनके बारे में सुंदर पद लिखे। संत सूरदास द्वारा रचित काव्य साहित्य का महत्वपूर्ण योगदान भारतीय लोक संस्कृति और परम्परा को उच्च शिखर पर आसीन कराने में हुआ। उन्होंने द्वापर के नायक श्रीकृष्ण की बाल-लीलाओं का समसामयिक लोक-आस्था के अनुरूप चित्रण किया और भगवान को एक लोकनायक के रूप में प्रस्तुत किया। भगवान को लौकिक रूप में प्रस्तुत कर सूरदासजी ने हमारे समाज को एक नई आस्था एवं नई भक्ति की अवधारणा दी है। वास्तव में सूरदासजी का काव्य लालित्य, सौन्दर्य, वात्सल्य, श्रृंगार, शांत रस और प्रेम का काव्य है। कुछ लोगों के अनुसार सम्राट अकबर सूरदास से मिलने आए थे। कहते हैं कि तानसेन ने अकबर के समक्ष सूरदास का एक पद गाया। पद के भाव से मुग्ध होकर सम्राट अकबर मथुरा जाकर सूरदास से मिले। सूरदास ने बादशाह को 'मना रे माधव सौं करु प्रीती गाकर सुनाया।' बादशाह ने प्रसन्न होकर सूरदास को अपना यश वर्णन करने का आग्रह किया। तब निर्लिप्त सूरदास ने 'नाहिन रहनो मन में ठौर' पद गाया। पद के अंतिम चरण 'सूर ऐसे दरस को ए मरत लोचन व्यास' को लेकर बादशाह ने पूछा ''सूरदासजी आप नेत्र ज्योति से वंचित हैं, फिर आपके नेत्र दरस को कैसे प्यासे मरते हैं?'' सूरदासजी ने कहा, ''ये नेत्र भगवान को देखते हैं और उस स्वरूप का रसपान प्रतिक्षण करने पर भी अतृप्त बने रहते हैं।'' अकबर ने सूरदास से द्रव्य-भेंट स्वीकार करने का अनुरोध किया पर निडरतापूर्वक भेंट अस्वीकार करते हुए सूरदासजी ने कहा आज पीछे हमको कबहूं फेरि मत बुलाइयो और मोको कबहूं लिलियो मती। सूरदासजी संगीत-शास्त्र के परम ज्ञाता, काव्य नेपुण्य एवं गान-विद्या विशारद विषय में प्रतिभा सम्पन्न थे। सूरदास आशु कवि थे। उन्होंने काव्य लिखा नहीं बल्कि उनके मुखारविन्द से स्वतः श्रीकृष्ण की लीला गान करते हुए पद झड़ने लगे थे और वे पद रूप सामृत-बिन्दू की तरह एकत्र होकर सागर ही नहीं काव्य रस का महासागर बन गए, जिसे 'सूरसागर' के नाम से जाना जाता है। महाकवि सूरदासजी का जीवन वृत स्वल्प अंश में ही ज्ञात है। उनके लिए महत्व अपनी अस्मिता का नहीं, आराध्य का था। इसलिए उनके जीवन संबंधी साक्ष्य नहीं के बराबर मिलते हैं। कुल मिलाकर 'संसार से विराग और ईश्वर से राग' यही सूरदास की आरंभिक दौर की भक्ति का मूल आधार रहा है, जिसे उन्होंने बड़ी तल्लीनता के साथ व्यक्त किया है। सूरदास ने स्वयं को अपने ईश्वर का तुच्छ सेवक मानते हुए उनके समक्ष दैन्य प्रकट किया है। इस कारण सूरदास की भक्ति 'दास्य भाव' की भक्ति कहलाती है, जिसमें भक्त स्वयं को अपने ईश्वर का दास मानकर उनकी सेवा और भक्ति करता है। एक प्रसंग प्रचलित है कि सूरदास जब गाऊघाट पर रहते थे तो उन्हें वहां एक दिन वल्लभाचार्य के आने का पता चला। सूरदास उचित समय पर वल्लभाचार्य से मिलने गए और उनके आदेश पर अपने रचित दो पद उन्हें गाकर भी सुनाए-'हौं हरि सब पतितन कौ नायक' एवं 'प्रभु! हौं सब पतितन कौ टीकौ।'

(चिंतन-मनन)

आत्मबल के लिए

चिंतन मनन

एक गरीब बुढ़िया थी। अपनी झोपड़ी में अकेली रहती थी। उसके पास एक गाय थी। बस उसी के सहारे वह अपना जीवन निर्वाह करती थी। पर्युषण पर्व चल रहा था। वह अपनी झोपड़ी में बैठी-बैठी रोज देखती थी कि गांव के लोग बहुत ठाट-बाट से पूजा की थाल और प्रसाद आदि लेकर लिए मंदिर जा रहे हैं। उन्हें देख कर बुढ़िया सोचती थी, मैं इतनी ठाट से पूजा नहीं कर सकती, मेरे पास पर्याप्त साधन नहीं है। पूजा की इच्छा दब जाती। एक दिन उसने सोचा, यदि पूजा नहीं कर सकती तो आरती तो कर सकती हूं। बस, यह सोच कर वह उठी, अपनी गाय के दूध से निकाला हुआ घी लिया। पड़ोसी के एक कपास के खेत में से थोड़ी-सी रूई ले आई। एक मिट्टी के दीपक में आरती संजोकर चल दी मंदिर की ओर। अत्यंत श्रद्धा भक्ति से उसने आरती की, जिसके परिणाम स्वरूप आगामी भव में उसे अत्यंत ज्ञानी मुनिराज की पर्याय प्राप्त हुई। न कोई उपवास, न कोई व्रत, केवल पवित्र भावना, श्रद्धा और भक्ति से उसे यह प्राप्त हुआ। किसी शक्तिहीन व्रती प्राणी का उपहास मत कीजिए। संभव है, उसमें शक्ति की अल्पता हो पर भक्ति की प्रबलता हो। कोई छोटा बच्चा पवित्र भावना लेकर व्रत करना चाहता है, तो उसे रोकिए मत, करने दीजिए। उसकी भावनाओं को खंडित मत कीजिए, ठेस मत पहुंचाइए। बल्कि उसे व्रत के वास्तविक उद्देश्य को समझा कर उसके इरादे को और दृढ़ बनाइए। तप के मार्ग को सामान्य मत समझिए।

कुछ लोग कहते हैं, तप में क्या रखा है? बेकार है? व्यर्थ है। ऐसा वे लोग कहते हैं जिनमें पुरुषार्थ का अभाव है। जो स्वयं पालन नहीं कर सके, उन्हें कहना चाहिए हम तो नहीं कर पाते, पर आप कर रहे हैं, यह अच्छी बात है। आपका कल्याण हो। उसके प्रति कम से कम अपनी भावनाएं पवित्र रखनी चाहिए। तप की सबसे बड़ी पूंजी आत्मशक्ति की उत्पत्ति है। इस आत्मशक्ति के माध्यम से हमारे में विरोध में भी जीने का साहस उत्पन्न होता है।

विचार मंथन

जाति जनगणना अर्थात विपक्ष को मुद्दा विहीन करती मोदी सरकार

(लेखक- डॉ हिदायत अहमद खान)

लोकतंत्र में सरकार के काम-काज पर पैनी नजर रखने का काम विपक्ष के पाले में आता है। सरकार की गलतियों और खामियों को उजागर करते हुए जनहितैषी मुद्दों को समय-समय पर उठाते रहने की जिम्मेदारी विपक्ष की होती है। ऐसा करते हुए विपक्ष जनसामान्य में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने का काम करता है, ताकि चुनाव के दौरान इसी आधार पर वह वोट मांग सके। जो विपक्ष ऐसा करने में असफल रहता है, उसे जनता नकार देती है और फिर वो राजनीतिक गलियारे के हाशिये में पहुंच जाता है। विपक्ष को फेल साबित करने के लिए सरकारें भी साम, दाम, दंड-भेद का इस्तेमाल करती आई हैं। सियासी शतरंजी चालों से विपक्ष के मुद्दों को हथिया लेना और उन्हें मुद्दाविहन कर असहाय बना देना सरकारों का शगल रहा है। इसलिए ईमानदार विपक्ष को सदा से ही जनहितैषी मुद्दों की दरकार रहती आई है। ताकि वो सरकार को घेर सकें और अपनी मांगे मंगवा सकें। इसी आधार पर कांग्रेस पार्टी और अन्य कुछ विपक्षी दल काफी लंबे समय से देश में जाति जनगणना कराने की मांग उठाते रहे हैं। पिछले कुछ समय से तो कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी प्रत्येक मंच से देश में जाति जनगणना कराए जाने वाले मुद्दे को प्रमुखता से उठाते चले आ रहे हैं। अब चूंकि इसी साल बिहार विधानसभा चुनाव होने हैं, अत- इस प्रभावी मुद्दे को विशेष तौर पर सियासी धार दिए जाने का काम हो रहा था। विपक्ष की इस चाल को मोदी सरकार और भाजपा ने समय रहते भांप लिया और विपक्ष की मांग को एक तरह से मानकर उनके हाथ से इस अहम मुद्दे को भी छीन लिया है। यह अलग बात है कि अब इसका श्रेय लेने की होड़ भी मच गई है। यहां बताते चलें कि केंद्र सरकार ने अप्रत्याशित तौर पर जाति जनगणना कराए जाने का फैसला लिया है। मतलब आम जनगणना जो होगी उसी में इसे जोड़ दिया जाएगा। इस प्रकार मोदी सरकार पहले तो इस मुद्दे से बचती रही, फिर विपक्ष के दबाव और राजनीतिक मजबूरियों के चलते यह निर्णय लिया। बावजूद इसके यह सवाल अनुत्तरित है कि जनगणना कब होगी और इसके आंकड़े सार्वजनिक किए जाएंगे या नहीं? यदि मोदी सरकार जाति जनगणना करा पाती है और इसके आंकड़े भी सार्वजनिक करते हुए जारी करती है तो स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह काम पहली बार होगा। यहां बताते चलें कि इससे पहले ऐतिहासिक तौर पर अंग्रेजी शासनकाल 1931 में जातिगत जनगणना करवाई गई थी। इसे आधार बनाकर बताया गया था कि देश में कुल 4,147 जातियां दर्ज की गईं। इस जनगणना के आंकड़ों को आधार बनाकर मंडल कमीशन ने 1980 में पिछड़ी जातियों को आरक्षण का लाभ देने की रिपोर्ट पेश की थी। मंडल आयोग की इस रिपोर्ट को 1991 में वीपी सिंह सरकार ने लागू करने का काम किया। इसके बाद साल 2011 में भी जाति जनगणना करवाई गई, लेकिन तब इसके आंकड़े सरकार ने जारी नहीं किए। बहरहाल अब मोदी सरकार ने जातीय जनगणना कराए जाने का फैसला तो ले लिया, लेकिन संघ और भाजपा को यह डर अब भी सताए जा रहा है कि ऐसा करने से उनका बृहद हिंदुत्व का एजेंडा कहीं पीछे न छूट जाए। दरअसल 1931 की रिपोर्ट और मंडल कमीशन के रिसर्च से यह सामने आया था कि देश में पिछड़े वर्ग की आबादी 54 फीसद है। अब यदि जातीय जनगणना होती है तो यह आंकड़ा और भी बढ़ सकता है, ऐसे में राजनीतिक समीकरण बदल भी सकते हैं। इसके बाद हो सकता है कि संघ और भाजपा का हिंदुत्व वाला मुद्दा भी हाशिये पर चला जाए और विपक्ष इसका बेजा लाभ ले आगे निकल जाए। दिलचस्प बात तो यह है कि जातीय जनगणना को लेकर केंद्र सरकार कभी स्पष्टत- खुलकर विरोध में खड़ी थी। सुप्रीम कोर्ट में भी इसके खिलाफ दलीलें दी गईं थीं, लेकिन अब वही मोदी सरकार इसे अपनाने की तैयारी में दिख रही है। इसका कारण साफ है, कि बिहार विधानसभा चुनाव में विपक्ष, खासकर आरजेडी और कांग्रेस, जातीय जनगणना को एक प्रमुख मुद्दा बना रहे थे। राहुल गांधी ने तो इसे पिछड़ों की पहचान और हक की लड़ाई का नाम दे दिया था। अब जब केंद्र सरकार ने खुद जातीय जनगणना कराने का संकेत दिया है, तो विपक्ष का यह बड़ा चुनावी हथियार अप्रभावी हो सकता है। यह राजनीतिक चाल न केवल बिहार, बल्कि पूरे देश में सामाजिक समीकरणों को प्रभावित कर सकती है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जो कभी विपक्ष के गठबंधन इंडिया के संयोजक बनने की कोशिश कर रहे थे, अब मोदी के साथ खड़े नजर आ रहे हैं। इससे यह भी संकेत मिलता है कि बीजेपी नीतीश की नीतियों को अपनाकर बिहार में जातीय आधार पर मतदाताओं को साधने की कोशिश कर रही है। अब देखना यह होगा कि मोदी सरकार बिहार चुनाव से पहले विपक्ष को मुद्दा विहीन करने में सफल हो पाती है या नहीं। खासतौर पर तब जबकि कांग्रेस व अन्य प्रमुख विपक्षी दलों ने देश में संविधान बचाओ आंदोलन जो चला रखा है।

वेव्स ऐसा ग्लोबल प्लेटफॉर्म है, जो आप जैसे आर्टिस्ट, हर क्रिएटर का, मुंबई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों को संबोधित किया

मुंबई।

मुंबई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ल्ड ऑडियो-विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) को संबोधित कर कहा, आज मुंबई में 100 से अधिक देशों के आर्टिस्ट, निवेश और पॉलिसी मेकर्स एक साथ एक ही छत के नीचे एकत्र हुए हैं। एक तरह से आज ग्लोबल टैलेंट और ग्लोबल क्रिएटिविटी के एक ग्लोबल इको-सिस्टम की नींव रखी जा रही है। पीएम मोदी ने कहा कि वेव्स ये सिर्फ एक छोटा सा नाम नहीं है। ये एक लहर है, कल्चर की, क्रिएटिविटी की, यूनिवर्सल जुड़वा की है। यह एक ऐसा ग्लोबल प्लेटफॉर्म है, जो आप जैसे हर आर्टिस्ट, हर क्रिएटर का है। जहां हर कलाकार, हर युवा एक नए आइडिया के साथ क्रिएटिव वर्ल्ड के साथ जुड़ेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज 1 मई है। आज से 112 साल पहले 3 मई, 1913 को भारत में पहली फीचर फिल्म राजा हरिश्चंद्र रिलीज हुई थी, इसके निर्माता दादासाहेब फाल्के थे और कल ही उनकी जन्म-जयंती थी। बीती एक सदी में भारतीय सिनेमा ने भारत को दुनिया के कोने-कोने में ले जाने में सफलता हासिल की है। पीएम मोदी ने कहा कि आज वेव्स में इस मंच पर हमनें भारतीय सिनेमा के अनेक दिग्गजों को डाक टिकट के माध्यम से याद किया है। बीते वर्षों में मैं कभी गेमिंग वर्ल्ड, कभी म्यूजिक की दुनिया के लोगों से, फिल्म मेकर्स से मिला, कभी स्क्रीन पर चमकने वाले चेहरों से मिला। इन चर्चाओं में अक्सर भारत की क्रिएटिविटी, कैपेबिलिटी और ग्लोबल कोलाबरेशन की बातें उठती थीं। पीएम मोदी ने कहा कि आज मेरा ये विश्वास और पक्का हो गया है कि आप सभी का प्रयास आने वाले वर्षों में वेव्स को नई ऊंचाई देगा। ये क्रिएट इन इंडिया, क्रिएट फॉर द वर्ल्ड का सही समय है। आज जब दुनिया स्टोरी-टेलिंग के नए तरीके ढूंढ रही है। तब भारत के पास हजारों वर्षों की अपनी कहानियों का खजाना है। और ये खजाना टाइमलैस है, थॉट प्रो-वॉकिंग और ट्रुली ग्लोबल है। ये भारत में ऑरेंज इकोनॉमी का उदय काल है। कंटेंट, क्रिएटिविटी और कल्चर, ये ऑरेंज इकोनॉमी की तीन धुरी है। भारतीय फिल्मों की पहुंच अब दुनिया के कोने-कोने में पहुंच रही है। आज 100 से अधिक देशों में भारतीय फिल्में रिलीज होती हैं। इसलिए आज बड़ी संख्या में विदेशी दर्शक भारतीय कंटेंट को सब टाइटल्स के साथ देख रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भारत में ओटीटी में 10 गुना वृद्धि देखी गई है। स्क्रीन का आकार भले ही छोटा हो रहा है, लेकिन इसका दायरा अनंत है। स्क्रीन छोटी होती जा रही है, लेकिन संदेश बड़ा है। आज भारत फिल्म प्रोडक्शन, डिजिटल कंटेंट, गेमिंग, फैशन और म्यूजिक का ग्लोबल हब बन रहा है। एनिमेशन और ग्राफिक इंडस्ट्री के लिए बहुत बड़ा मौका लाइव कंसर्ट से जुड़ी इंडस्ट्री के लिए अनेक संभावनाएं हमारे सामने हैं। आज ग्लोबल एनिमेशन

मार्केट का साइज 430 बिलियन डॉलर से ज्यादा का है, अनुमान लगाया गया हैं कि अगले 10 सालों में ये दोगुना हो सकता है। ये भारत की एनिमेशन और ग्राफिक इंडस्ट्री के लिए बहुत बड़ा मौका है।

संक्षिप्त समाचार

कोलकाता अग्निकांड- होटल मालिक और प्रबंधक गिरफ्तार, 12 शवों की हुई पहचान

कोलकाता।

मध्य कोलकाता के उस होटल में लगी भीषण आग से 14 लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले में पुलिस ने गुरुवार को ऋतुराज होटल के मालिक आकाश चावला और प्रबंधक गौरव कपूर को गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने बताया कि स्वत:- संज्ञान लेते हुए जोरासांको थाने में उनके खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि होटल से बरामद 14 शवों में से 12 की पहचान कर ली गई है और उनका पोस्टमार्टम भी कराया गया है। उन्होंने बताया कि इन शवों को उनके संबंधित परिवारों को सौंप दिया है। शेष दो शवों की पहचान करने की कोशिश जारी है। बता दें भीड़भाड़ वाले बड़ा बाजार इलाके के मछुआ में स्थित छह मंजिला किफायती होटल में मंगलवार रात 8.10 बजे आग लगी और उस वक्त होटल के 42 कमरों में 88 लोग मौजूद थे। आग की घटना के बाद वहां अफरा तफरी मच गई इस घटना में 14 लोगों ने अपनी जान गवां दी थी।

मणिपुर में दो तस्करों से याबा की 3 लाख गोलियां और नकदी बरामद

इंफाल। मणिपुर के तेंगनौपाल जिले में मादक पदार्थ के संदिग्ध दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से 35.41 किलोग्राम याबा की गोलियां बरामद की गईं। पुलिस ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि बुधवार को टीओबी यांगौबंग में दो वाहनों को रोका गया, जिनकी तलाशी लेने पर 2.6 लाख रुपए नकद मिले और याबा की करीब तीन लाख गोलियां बरामद की गई हैं। पुलिस को शक है कि वाहन भारत-म्यांमार सीमा पर मोरेह से चुराचांदपुर जा रहा था। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान पाओजाथांग किपगेन (30) और कम्मिनलुन किपगेन (24) के रूप में हुई है। याबा गोलियां भारत में अवैध है। इनमें 'मेथाम्फेटामाइन' होता है। पुलिस ने बताया कि एक अन्य अभियान में इंफाल पश्चिम जिले के पटसोई से मादक पदार्थ के संदिग्ध दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से 274.8 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। गिरफ्तार लोगों की पहचान केयेनबाम केनेडी सिंह (36) और केसाम सरत सिंह (55) के रूप में हुई है। पुलिस इन दोनों मामलों में आगे की कार्रवाई कर रही है।

दिल्ली सरकार कराएगी श्रमिकों और उनके परिवार की स्वास्थ्य जांच

दोपहर 12 से 3 बजे तक मिले आराम इसकी अधिसूचना करेगी जारी

नई दिल्ली। दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने गुरुवार को कहा कि दिल्ली सरकार श्रमिकों और उनके परिवार के सदस्यों की सालाना स्वास्थ्य जांच कराएगी और उनके लिए दोपहर से अपराह्न 3 बजे तक का समय आराम करने के लिए तय करने के संबंध में अधिसूचना जारी करेगी। आज यानी 1 मई को अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर श्रमिकों को सम्मानित करने के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम रेखा ने कहा कि बीजेपी सरकार आजीविका के लिए दिल्ली आने वाले लोगों के बेहतर जीवन और बेहतर स्वास्थ्य एवं शिक्षा सुनिश्चित करने को लेकर प्रतिबद्ध है। बीजेपी के दिल्ली में सत्ता में आने के बाद पिछले दो महीनों में अपनी सरकार द्वारा की गई विभिन्न पहलों पर प्रकाश डालते हुए रेखा गुप्ता ने कहा कि स्वास्थ्य जांच की योजना में सभी श्रमिक और उनके परिवार शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार यह भी तय करेगी कि जब दिन में बहुत गर्मी हो तो दोपहर 12 बजे से अपराह्न 3 बजे तक श्रमिकों को आराम दिया जाए और इसके लिए एक अधिसूचना जारी की जाएगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में बीजेपी सरकार ने पहले ही स्वास्थ्य बीमा के लिए आयुष्मान भारत, 70 साल और उससे ज्यादा उम्र के बुजुर्गों के लिए 'वय वंदना योजना', भोजन के लिए 'अटल कैंटीन' और बच्चों के लिए 'पालना केंद्र' जैसी योजनाओं को लागू करना शुरू कर दिया है, जिससे श्रमिकों को सीधे लाभ होगा।

अजमेर के होटल में लगी भीषण आग, 4 लोगों की मौत

अजमेर। डिग्गी बाजार क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक होटल में भीषण आग लग गई, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग की सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और राहत-बचाव कार्य में जुट गईं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग सुबह करीब 6 बजे होटल की ऊपरी मंजिल से उठते धुएं के साथ शुरू हुई। देखते ही देखते आग ने पूरे होटल को चपेट में ले लिया। फंसे हुए लोगों को बाहर निकालने के लिए स्थानीय लोगों ने भी दमकल कर्मियों की मदद की।प्रशासन और पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग लगने की वजह माना जा रहा है।

1901 के बाद पांचवी बार सबसे ज्यादा गर्म रहा अप्रैल

नई दिल्ली।

मई के महीने में देश के ज्यादातर हिस्सों में तापमान सामान्य से ऊपर रहेगा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत के करीब के इलाकों में सामान्य से ज्यादा दिनों तक लू चलने की संभावना है। राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, गांगेय पश्चिम बंगाल और गुजरात, ओडिशा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, तेलंगाना और उत्तरी कर्नाटक के कुछ हिस्सों में मई में सामान्य से ऊपर लू वाले दिन हो सकते हैं। हालांकि, मई के पहले हफ्ते में उत्तर-पश्चिम भारत, इंडो-गंगा के मैदान और दिल्ली में बारिश और गरज के साथ छींटे पड़ सकते है। लेकिन, ज्यादातर हिस्सों में महीने के दौरान 2-7 दिन लू चलने की आशंका है। यह सामान्य से 1 से 4 दिन ज्यादा हो सकता है। आईएमडी के प्रमुख मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि मई में लगातार और तेज गरज के साथ छींटे पड़ने और सामान्य से ऊपर बारिश होने की संभावना है। इससे तापमान मई 2024 के स्तर तक नहीं बढ़ पाएगा। देश के ज्यादातर हिस्सों में दिन में अधिकतम तापमान सामान्य से ऊपर रहने की संभावना है। महापात्र ने बताया कि देश के ज्यादातर हिस्सों में रात में पारा सामान्य से ऊपर रहेगा। मौसम विभाग ने पूरे देश में मई 2025 में सामान्य से ऊपर बारिश होने का अनुमान जाहिर किया है। सामान्य से ऊपर बारिश होने की संभावना है, सिर्फ उत्तर-पश्चिम, मध्य, पूर्व और उत्तर-पूर्व भारत के कुछ हिस्सों को छोड़कर, जहां सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है। अप्रैल में तापमान की स्थिति और भी खराब थी। अप्रैल के महीने में देश में सातवां सबसे ज्यादा औसत तापमान (29.1 डिग्री सेल्सियस, जो सामान्य से 0.8 डिग्री सेल्सियस ज्यादा था) दर्ज किया गया। भारत में 1901 में औपचारिक रिकॉर्डिंग शुरू होने के बाद से ऐसा हुआ है। उत्तर-पश्चिम भारत में इस महीने 1901 के बाद से पांचवां सबसे गर्म अप्रैल दर्ज हुआ। राजस्थान और गुजरात में 6-11 दिन लू चली, जबकि पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ में 4-6 दिन लू चली, जबकि सामान्य तौर पर 2 से 3 दिन लू चलती है। पूर्वी मध्य भारत, महाराष्ट्र और आसपास के उत्तरी प्रायद्वीपीय भारत में 1-3 दिन लू चली, जबकि सामान्य तौर पर 2-3 दिन लू चलती है। मौसम विभाग के अनुसार, मई में ज्यादातर जगहों पर तापमान सामान्य से ज्यादा रहेगा। लू के दिन भी ज्यादा हो सकते हैं। लेकिन, अच्छी खबर है कि मई में बारिश भी सामान्य से ज्यादा होने की संभावना है। इससे तापमान में थोड़ी गिरावट आ सकती है।

एनआईए के महानिदेशक पहुंचे पहलगाम, बैसरन घाटी में घटनास्थल का करेंगे दौरा

एनआईए आतंकियों के हमले के तरीके और भागने के रास्तों की कर रही जांच

श्रीनगर।

पहलगाम में बीते 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले की जांच एनआईए कर रही है। इस बीच एनआईए के महानिदेशक सदानंद दाते जम्मू-कश्मीर के पहलगाम पहुंचे हैं। सदानंद उस जगह भी जाएंगे, जहां आतंकियों ने 28 लोगों की गोली मारकर हत्या की थी।

इसके बाद एनआईए की टीम पहलगाम स्थित घटनास्थल पर पहुंची और साक्ष्य जुटाने में जुट गई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि एनआईए की टीमें आतंकियों के हमले के तरीके और उनके भागने के रास्तों का पता लगाने के लिए इलाके की जांच कर रही है। बैसरन घाटी में हुए इस हमले को कश्मीर के सबसे खतरनाक आतंकी हमलों में से एक माना जा रहा है।

एनआईए की टीमें उन चश्मदीदों से पूछताछ कर रही है, जिन्होंने इस खौफनाक मंजर को अपनी आंखों से देखा था। एनआईए के आईजी, डीआईजी और एसपी की निगरानी में जांच चल रही है। ये टीमें आतंकियों के प्रवेश और निकास बिंदुओं की जांच कर रही हैं, ताकि यह समझा जा सके कि हमलावर कैसे आए और कहां से भागे।

फोरेंसिक विशेषज्ञों और अन्य जांच एजेंसियों की मदद से घटनास्थल की गहन छानबीन की जा रही है। इसका मकसद इस आतंकी साजिश का पर्दाफाश करना है, जिसने इतनी बड़ी त्रासदी को अंजाम दिया। इस बीच जम्मू-कश्मीर से लौटे एक पर्यटक ने बताया कि वह जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुई आतंकी घटना के संबंध में एनआईए जांच में सहयोग करेंगे। उन्होंने दावा किया था कि उनके पास एक वीडियो है, जिसमें दो आतंकवादी दिखाई दिए थे। इस बारे में उनसे एनआईए ने संपर्क किया है। इससे पहले केंद्र सरकार ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद सिंधु जल समझौते को निलंबित कर दिया था। इसके अलावा, केंद्र सरकार ने भारत में रह रहे सभी पाकिस्तानी नागरिकों को देश छोड़ने का आदेश जारी कर दिया था।

मणिपुर में जमीन विवाद को लेकर झड़प में 25 लोग घायल, निषेधाज्ञा लागू

इंफाल।

मणिपुर के तामेंगलोंग जिले में नागा समुदाय के दो गांवों में जमीन विवाद को लेकर हुई झड़पों में 12 सुरक्षाकर्मियों समेत कम से कम 25 लोग घायल हुए हैं, जिसके बाद जिले के कुछ इलाकों में निषेधाज्ञा लागू कर दी है। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि यह घटना बुधवार शाम को उस समय हुई जब ओल्ड तामेंगलोंग गांव के करीब दो हजार लोग जमीन विवाद पर एक ज्ञापन सौंपने के लिए उपायुक्त और एसपी कार्यालय जा रहे थे। इसी बीच दाइलोंग गांव के लोगों ने इन पर पथराव कर दिया, जिसके कारण झड़प हुई। उन्होंने बताया कि दाइलोंग के समर्थन में पास के दुइगाइलोंग गांव के लोग भी झड़प में शामिल हो गए। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने बताया कि हिंसा के दौरान लोक निर्माण विभाग के एक बंगले में आग लगा दी। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। हिंसा में 12 सुरक्षाकर्मियों समेत कम से कम 25 लोग घायल हुए हैं। झड़पों के बाद जिला मुख्यालय शहर और सीमावर्ती इलाकों दाइलोंग, दुइगाइलोंग और ओल्ड तामेंगलोंग में प्रतिबंध लगा दिए गए हैं। अधिसूचना में कहा गया है कि अगले आदेश तक प्रतिबंध लागू रहेंगे।

इंफाल के एक अधिकारी ने बताया कि नागा समुदाय तामेंगलोंग में रहता है और यह झड़प दो गांवों के बीच सीमा विवाद से उपजी हैं। उन्होंने कहा कि इस घटना का मई 2023 में मेइती-कुकी जो समुदाय के बीच शुरू हुए जातीय टकराव से कोई संबंध नहीं है।

पीएम मोदी एक फाइटर, वो चुनौती से नहीं डरते ये बार-बार साबित हुआ

-अभिनेता रजनीकांत ने वेव्स समिट के उद्घाटन सत्र में कही यह बात

मुंबई।

सुपरस्टार रजनीकांत ने गुरुवार को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को निर्मम और बर्बरपूर्ण और पीएम मोदी को फाइटर बताया है। उन्होंने विश्वास जताया कि पीएम मोदी जम्मू-कश्मीर में शांति और उसका गौरव लौटाएंगे। रजनीकांत मुंबई में वेव्स समिट के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। बता दें इस वेव्स का भारत के ऑडियो-विजुअल और एंटरटेनमेंट जगत ने मिलकर इसका आयोजन किया है। इस कार्यक्रम में रजनीकांत ने कहा कि पीएम मोदी एक फाइटर हैं। वो किसी भी चुनौती से नहीं डरते हैं। उन्होंने इसे बीते एक दशक में बार-बार साबित किया है।

मैं पूरी तरह से आश्वस्त हूं कि वह कश्मीर मुद्दे को साहस और गरिमा से संभालेंगे और वहां शांति बहाल करेंगे।

रजनीकांत ने कहा कि कुछ लोगों ने उन्हें कहा था कि मौजूदा हालात और आलोचना को देखते हुए चार दिन का यह आयोजन स्थगित कर दिया जाएगा, लेकिन मुझे भरोसा था कि यह कार्यक्रम जरूर होगा, क्योंकि मुझे पीएम मोदी पर पूरा भरोसा है। वेव्स समिट भारत के मीडिया और एंटरटेनमेंट सेक्टर को वैश्विक मंच पर ले जाने की एक पहल है। यह फिल्म, ओटीटी, गेमिंग, डिजिटल मीडिया, एआई, कॉमिक्स, ब्रॉडकास्टिंग और एक्सटेंडेड रियलिटी जैसे क्षेत्रों को एक मंच पर लाकर भारत की रचनात्मक शक्ति का प्रदर्शन करेगा।

इसका लक्ष्य 2029 तक 50 अरब डॉलर के बाजार को हासिल करना है। बता दें यह वेव्स समिट उस वक्त आयोजित हो रही है जब हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 28 लोगों की मौत हो गई है।

हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया है और देश में रह रहे सभी पाकिस्तानी नागरिकों को वापस जाने का आदेश दिया है।

बेंगलुरु के शो में फैन ने की डिमांड तो गुस्से से लाल हो गए सोनू निगम

बोले- वह फैन बहुत ही रूड तरीके से गाना गाने के लिए धमका रहा था

बेंगलुरु

बेंगलुरु में एक परफॉर्मेंस के दौरान गायक सोनू निगम अपना आपा खो बैठे। जिसका वीडियो वायरल हो गया। इसमें वह किसी फैन की डिमांड पर गुस्सा होते दिख रहे हैं। सोनू ने कहा कि उन्हें कन्नड़भाषियों से प्यार है, लेकिन जिस तरह से उस फैन ने धमकी भरे लहजे में कन्नड़ में गाने की मांग की, उन्हें अच्छा नहीं लगा। सोनू ने कहा कि इन्हीं सब वजहों से पहलगाम जैसी घटनाएं होती हैं।

वायरल वीडियो की क्लिप में सोनू निगम बोल रहे हैं, उन्हें कन्नड़ में गाना पसंद है और कर्नाटक के लोगों का सम्मान करते हैं। वह बोले- मैंने सभी भाषाओं में गाने गाए हैं। जो मेरी जिंदगी के बेहतरीन गाने हैं वो कन्नड़ हैं। मैं आपके बीच में जब भी आता हूं बहुत प्यार से आता हूं। सोनू ने बताया कि कैसे फैन ने उनको कन्नड़ में गाने की धमकी दी। बोले, मुझे अच्छा नहीं लगा कि वहां एक लड़का जिसकी उम्र उतनी नहीं होगी उससे पहले से मैं कन्नड़ में गीत गा रहा हूं। वह बहुत रूड तरीके से गाने के लिए धमका रहा था, कन्नड़, कन्नड़। यही कारण है, पहलगाम में जो हुआ है ना? यही कारण है जो कर रहे हो, जो किया था ना अभी? देखो तो कौन सामने खड़ा है। मुझे कन्नड़ लोगों से प्यार है, आई लव यू गाइज।

सोनू ने कहा कि पूरी दुनिया में वह कहीं भी परफॉर्म कर रहे हों, वहां एक भी कन्नड़ फैन होगा तो वह गाते हैं। सोनू बोले- मैं पूरी दुनिया में जहां भी जाता हूं, मैं हमेशा बोलता हूं, 14000 की ऑडियंस होगी उसमें एक आवाज आती है, कन्नड़ तो मैं उस एक कन्नड़ भाषी के लिए कुछ लाइन कन्नड़ में गाता हूं। मैं इतनी इज्जत करता हूं आपकी, इतना प्यार करता हूं। इसलिए ऐसा नहीं करना चाहिए आपको।

जाति जनगणना को लेकर राहुल गांधी सिर्फ श्रेय लेने के लिए हंगामा कर रहे

शिवराज बोले- जब कांग्रेस सरकार में थी, तब जाति जनगणना क्यों नहीं कराई?

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने जाति जनगणना कराने का फैसला लिया है। इसको लेकर श्रेय लेने की होड़ मच गई है।

केंद्र के फैसले पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आज समाज कल्याण की नीतियां बनाने के लिए सटीक आंकड़े जरूरी हो गए हैं। जाति जनगणना जन कल्याण का आधार और सामाजिक न्याय की नींव बनेगी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सिर्फ श्रेय लेने के लिए हंगामा कर रहे हैं। जब कांग्रेस सरकार थी, तब उन्होंने जाति जनगणना क्यों नहीं कराई?...वे तो जाति आधारित आरक्षण के भी खिलाफ थे।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस कभी जन कल्याण के लिए काम नहीं करती, बल्कि सिर्फ वोट बटोरने के लिए काम करती है। झूठ और फरेब फैलाना उनके डीएनए में है। वहीं, इससे पहले शिवराज ने कहा कि राहुल गांधी, कांग्रेस ने हमेशा जातिगत जनगणना का विरोध किया। देश में सालों तक कांग्रेस सरकार रही, फिर जातिगत जनगणना क्यों नहीं हुई? नेहरू जी ने पत्र लिखकर जाति आधारित आरक्षण और जनगणना का विरोध किया था। आप जवाब दें काका कालेलकर की रिपोर्ट किसने दबाई? मंडल कमीशन पर कांग्रेस का रुख क्या था?

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी, आप श्रेय के लिए उछल-कूद कर रहे हैं, पहले जवाब दें कि कांग्रेस ने जातिगत जनगणना क्यों नहीं करवाई? कांग्रेस का विजन समाज का विभाजन रहा है। जबकि बीजेपी सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मूलमंत्र के साथ आगे बढ़ रही है। राहुलजी, मैं आपको याद दिलाना चाहता हूं कि 1980 के दशक में जब मंडल कमीशन आया, तब इंदिराजी ने ही विरोध किया था। राजीवजी का जातिगत जनगणना को लेकर क्या रुख था?

दिवंगत पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह ने पार्लियामेंट में आश्वस्त किया था कि वह जातिगत जनगणना पर कैबिनेट में विचार करेंगे। मंत्रिमंडल का एक समूह ग्रुप ऑफ मिनिस्टर बना, तब भी

जातिगत जनगणना नहीं हुई।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गुरुवार को कहा कि अगली जनगणना में जाति गणना को शामिल करने के सरकार के फैसले ने असली इरादों और खोखली नारेबाजी के बीच के अंतर को उजागर किया है।

उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण फैसले ने हमारे असली इरादों और विपक्ष की खोखली नारेबाजी के बीच के अंतर को उजागर किया है। हालांकि अधिकतर विपक्षी दलों ने इसका स्वागत किया है।

राणा के वॉयस सैंपल और लिखावट के नमूने अब लिए जा सकेंगे, कोर्ट की मंजूरी

नई दिल्ली।

पटियाला हाउस कोर्ट ने मुंबई आतंकी हमले के मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा के वॉयस सैंपल और लिखावट के नमूने लेने की मंजूरी दे दी है। एनआईए ने कोर्ट में याचिका दाखिल कर राणा के वॉयस सैंपल और लिखावट के नमूने लेने की इजाजत मांगी थी, जिसके बाद पटियाला हाउस कोर्ट ने उन्हें मंजूरी दी। राणा एनआईए की हिरासत में हैं। बीते महीने पटियाला हाउस कोर्ट की विशेष अदालत ने राणा की हिरासत को 12 दिन के लिए बढ़ा दिया था। एनआईए ने कोर्ट से राणा की हिरासत बढ़ाने का अनुरोध किया था। इससे पहले राणा को 18 दिन की एनआईए हिरासत में भेजा गया था, जिसके खत्म होने के बाद उसे कड़ी सुरक्षा के बीच विशेष न्यायाधीश चंदर जीत सिंह की कोर्ट में पेश किया गया था। सुनवाई के दौरान एजेंसी ने दलील दी कि 17 साल पुराने आतंकी हमलों की साजिश के जाल को समझने और उससे जुड़े अन्य साजिशकर्ताओं तक पहुंचने के लिए राणा की हिरासत जरुरी है। उसने यह भी कहा कि जांच के लिए उसे कई स्थानों पर ले जाना जरूरी है। बता दें अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में तहव्वुर राणा की उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उसने खुद को

भारत प्रत्यर्पित किए जाने के खिलाफ अपील की थी। राणा को 10 अप्रैल को भारत लाए जाने के बाद एनआईए ने उसे गिरफ्तार कर पटियाला हाउस कोर्ट की विशेष एनआईए अदालत में पेश किया था। कोर्ट ने उसे 18 दिन की हिरासत में भेज दिया था। हिरासत अवधि खत्म होने के बाद उसे फिर से कोर्ट में पेश किया गया था।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता के करीब- शीर्ष अमेरिकी ट्रेड वार्ताकार

वाशिंगटन। भारत और अमेरिका व्यापार समझौता के करीब पहुंच चुका हैं, लेकिन यह अभी तक पूरा नहीं हुआ है। यह बयान शीर्ष अमेरिकी ट्रेड वार्ताकार ने दिया। अमेरिकी मीडिया और पॉलिसी सर्किल में अमेरिका-भारत व्यापार समझौता की चर्चा जोरों पर है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने के बाद किसी देश के साथ होने वाली यूएस की यह पहली ट्रेड डील हो सकती है। फिलहाल, अपने व्यापारिक साझेदार देशों के साथ समझौता करने के लिए ट्रंप ने रेसिप्रोकल टैरिफ पर 90 दिन की रोक लगा दी है। अमेरिकी ट्रेड वार्ताकार जेमिसन ग्रीर से एक न्यूज चैनल को दिए गए इंटरव्यू में पूछा गया कि क्या भारत के साथ समझौता अंतिम चरण के करीब है, तो उन्होंने कहा` कि मैं यह नहीं कहूंगा कि यह अंतिम चरण है लेकिन यह करीब पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा` कि भारत के ट्रेड मंत्री के साथ मेरी बातचीत चल रही है। मैंने अपनी टीम एक सप्ताह के लिए भारत भेजी थी। वे पिछले सप्ताह यहां आए थे और मैंने उनके मुख्य वार्ताकार से मुलाकात की भी थी।

डिविडेंड की घोषणा कर सकती हैं तीन कंपनियां

लिस्ट में अदाणी की कंपनी भी शामिल

नई दिल्ली। अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया और स्पोर्टकिंग इंडिया गुरुवार को मार्च तिमाही नतीजों के साथ डिविडेंड की घोषणा कर सकती है। अदाणी ग्रुप की इन कंपनियों में डिविडेंड पर होने वाली बैठक के दौरान 31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही और पूरे वित्त वर्ष के लिए ऑडिटेड रिजल्ट्स की समीक्षा होगी। इसके अलावा, इक्विटी शेयरों पर डिविडेंड की सिफारिश पर भी विचार किया जाएगा।स्पोर्टकिंग इंडिया लिमिटेड और होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया भी अपनी बैठकों में डिविडेंड की सिफारिश पर मंजूरी देने की संभावना है7साथ ही, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया ने अपनी कारोबारी आवश्यकताओं पर ध्यान देते हुए नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर्स (एनसीडी) जारी कर फंड जुटाने की संभावना भी जताई है।इन संकेतों के साथ ही, बाजार में बड़ी उलझन और संवेदना भी दिखाई दे रही है, जो इन कंपनियों के प्रमुख निर्णयों पर भी प्रभाव डाल सकती है।

मल्टी एसेट म्युचुअल फंड्स को मार्च 2025 में मिला ज्यादा निवेश

डेट फंड्स से 1.10 लाख करोड़ रुपए की भारी निकासी

नई दिल्ली।

मार्च 2025 में एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार मोतीलाल ओसवाल एसेट मैनेजमेंट कंपनी ने दर्ज किया है कि हाइब्रिड कैटेगरी में इस महीने सबसे ज्यादा निवेश किया गया है। इस रिपोर्ट के अनुसार, मल्टी एसेट फंड्स में पिछले महीने हुए कुल नेट इन्वेस्टमेंट का लगभग 74 फीसी हिस्सा हाइब्रिड कैटेगरी में गया है। इसके साथ ही बैलेंस्ड एडवांटेज और एग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स में भी अच्छा इनफ्लो देखने को मिला है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि निवेशकों की रुचि अब डेट फंड्स की तुलना में इक्विटी या मल्टी एसेट फंड्स में ज्यादा है। मोतीलाल ओसवाल एसेट मैनेजमेंट कंपनी की व्हेयर द मनी फ्लोज़ रिपोर्ट के अनुसार इस दौरान म्युचुअल फंड इंडस्ट्री में कुल मिलाकर लगभग 25,000 करोड़ का नेट निवेश हुआ है। पैसिव फंड्स में सबसे ज्यादा निवेश किया गया है, जबकि एक्टिव फंड्स से निकासी हुई है। डेट फंड्स से इस दौरान भी भारी निकासी हुई है। इस दौरान, म्युचुअल फंड इंडस्ट्री ने 73 नई स्कीमें लॉन्च कीं और इनमें कुल 13,067 करोड़ जुटाए गए हैं। कंपनी ने कहा` कि मार्च 2025 में म्युचुअल फंड इंडस्ट्री का एसेट अंडर मैनेजमेंट बढ़कर 65.74 लाख करोड़ पर पहुंच गया है। कंपनी के एक अे धिकारी ने कहा कि घरेलू बचत अब धीरे-धीरे फाइनेंशियल एसेट्स की ओर शिफ्ट हो रही है और निवेशकों का विश्वास म्युचुअल फंड प्रोडक्ट्स में बढ़ रहा है।

टेस्ला कर रही नए सीईओ की तलाश, कंपनी के शेयरों में आई गिरावट

सैन फ्रांसिस्को।

दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क की इलेक्ट्रिक गाड़ियां बनाने वाली कंपनी टेस्ला ने नए सीईओ की खोज शुरू कर दी है। इससे टेस्ला के शेयर में हड़कंप मच गया और बुधवार को यह शेयर करीबन 4 फीसदी गिर गया। टेस्ला के शेयर की कीमत 3.38 फीसदी गिरकर 282.16 डॉलर पर बंद हुई। एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी के बोर्ड ने सीईओ एलन मस्क के संभावित उत्तराधिकारी की तलाश शुरू कर दी है। रिपोर्ट के मुताबिक इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) सेक्टर की दिग्गज अमेरिकी कंपनी टेस्ला ने सीईओ एलन मस्क के उत्तराधिकारी की तलाश के लिए महीनों पहले कई एग्जिक्यूटिव सर्च कंपनियों से संपर्क किया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि बोर्ड यह कदम किस उद्देश्य से उठा रहा है, इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है।

ट्रंप प्रशासन के साथ मस्क की भागीदारी के कारण ऐसा संभव है। रिपोर्टों के मुताबिक ईवी कंपनी की बिक्री और मुनाफे में गिरावट देखी गई है, जबकि अमेरिका की सरकारी एजेंसी डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी में मस्क की भूमिका को लेकर निवेशकों की चिंताएं बढ़ गई हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि टेस्ला बोर्ड के सदस्य ने मस्क से मुलाकात की और उनसे कंपनी को अधिक समय देने के लिए आग्रह भी किया। मस्क ने पिछले सप्ताह कहा था कि वह ट्रंप प्रशासन को दिए जाने वाले समय में कटौती करेंगे और अपनी कई कंपनियों को चलाने पर ध्यान देंगे।

संघीय रोजगार को कम करने के लिए बनाई गई संस्था सरकारी दक्षता विभाग के प्रमुख के रूप में उनकी भूमिका ने निवेशकों की आलोचना की है। बता दें सरकारी दक्षता विभाग दूसरे ट्रम्प प्रशासन द्वारा संघीय खर्च में कटौती करने की पहल है।

डिविडेंड की घोषणा कर सकती हैं तीन कंप नियां

लिस्ट में अदाणी की कंपनी भी शामिल

नई दिल्ली।

अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया और स्पोर्टकिंग इंडिया गुरुवार को मार्च तिमाही नतीजों के साथ डिविडेंड की घोषणा कर सकती है। अदाणी ग्रुप की इन कंपनियों में डिविडेंड पर होने वाली बैठक के दौरान 31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही और पूरे वित्त वर्ष के लिए ऑडिटेड रिजल्ट्स की समीक्षा होगी। इसके अलावा, इक्विटी शेयरों पर डिविडेंड की सिफारिश पर भी विचार किया जाएगा।स्पोर्टकिंग इंडिया लिमिटेड और होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया भी अपनी बैठकों में डिविडेंड की सिफारिश पर मंजूरी देने की संभावना है7साथ ही, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया ने अपनी कारोबारी आवश्यकताओं पर ध्यान देते हुए नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर्स (एनसीडी) जारी कर फंड जुटाने की संभावना भी जताई है।इन संकेतों के साथ ही, बाजार में बड़ी उलझन और संवेदना भी दिखाई दे रही है, जो इन कंपनियों के प्रमुख निर्णयों पर भी प्रभाव डाल सकती है।

वनप्लस ने लॉन्च किए वनप्लस13टी

नई दिल्ली।

वनप्लस ने हाल ही में अपने नए स्मार्टफोन वनप्लस 13टी को लॉन्च किया है और इसके बाद कंपनी के चाइना प्रेसिडेंट ली जी ने एक इंटरव्यू में बताया कि वनप्लस जल्द ही मई में एसीई ब्रैंड के नए डिवाइसेज पेश करने वाला है। इन डिवाइसेज में वनप्लस एसीई 5एस/वनप्लस एसीई 5 सुप्रीम एडीशन और रासिंग एडीशन शामिल हो सकते हैं। टिपस्टर डिजिटल चैट स्टेशन के मुताबिक, एस 5 रेसिंग एडिशन स्मार्टफोन में डाइमेंसिटी 9400द्व चिपसेट होगा, जो डाइमेंसिटी 9300+ का अपग्रेड वर्जन होगा और परफॉर्मेंस में स्नैपड्रैगन 8 जेन 3 से भी बेहतर हो सकता है। लीक रिपोर्ट्स के अनुसार, एस 5 रेसिंग एडिशन में 6.77 इंच का ओएलईडी एलटेप्स फ्लैट डिस्प्ले, 50 मेगापिक्सल का ड्यूल रियर कैमरा सेटअप और 16 मेगापिक्सल का सेल्फी कैमरा हो सकता है। यह स्मार्टफोन 7000एमएएच बैटरी और 80 वॉट की फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ आ सकता है, जो इसे यूजर्स के लिए एक बेहतरीन गेमिंग और उपयोगकर्ता अनुभव प्रदान करेगा। वनप्लस एस 5 सुप्रीम एडिशन की बात करें तो यह डाइमेंसिटी 9400+ चिपसेट के साथ आ सकता है, जो मीडियाटेक का अब तक का सबसे पावरफुल चिपसेट होगा। इस डिवाइस में भी गेमिंग-फोकस्ड प्रदर्शन मिलेगा और फोटोग्राफी एक्सपीरियंस फ्लैगशिप लेवल का हो सकता है। कुल मिलाकर, वनप्लस की नई एस 5 सीरीज को लेकर गेमिंग के शौकिनों के लिए बेहतरीन खबरें हैं।

एनआरएआई और ओएनडीसी ने अटकलों पर लगाया विराम, मजबूत साझेदारी की पुष्टि

नई दिल्ली।

नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) और ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) ने गुरुवार को उन मीडिया रिपोर्ट्स का खंडन किया, जिनमें दावा किया गया था कि रेस्टोरेंट बॉडी ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के साथ अपनी साझेदारी को खत्म कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स ने परिचालन अस्थिरता और ओएनडीसी की रणनीतिक प्रतिबद्धता की कमी का हवाला देते हुए दावा किया था कि एनआरएआई ने ओएनडीसी पर सदस्यों को शामिल करने की अपनी योजना को रोक दिया है। दोनों संगठनों ने बयान में कहा, हम संयुक्त रूप से स्पष्ट करते हैं कि ये दावे गलत और भ्रामक हैं। बयान में आगे कहा गया कि हमारी साझेदारी दूरदर्शी रहते हुए सक्रिय बनी हुई है। बयान में कहा गया है कि दोनों संगठन एक इंक्लूसिव फ्रेमवर्क को विकसित करने के लिए अधिक रणनीतिक रूप से काम कर रहे हैं। दोनों संगठनों का यह प्रयास देश भर में फूड बिजनेस के विकास और डिजिटल सशक्तीकरण का समर्थन करेगा। एनआरएआई के अध्यक्ष सागर दरयानी ने कहा, हमने कुछ भी नहीं रोका है। ओएनडीसी के साथ हमारा जुड़ाव जारी है और उद्देश्यपूर्ण बना हुआ है। हम वर्तमान में एक स्केलेबल मॉडल बनाने की प्रक्रिया में हैं और ओएनडीसी की फूड कार्उंसिल के माध्यम से चर्चा कर रहे हैं, जिसमें रेस्टोरेंट और नेटवर्क प्रतिभागियों और एनआरएआई जैसे सभी हितधारकों की भागीदारी शामिल है। उन्होंने कहा कि रेस्टोरेंट बॉडी को ओएनडीसी के ओपन और अंतर-संचालन नेटवर्क की परिवर्तनकारी शक्ति में विश्वास है। एनआरएआई ने जनवरी में अपने

मेंबर रेस्टोरेंट्स को सरकारी समर्थन प्राप्त ओएनडीसी प्लेटफॉर्म पर ऑनबोर्ड करने के लिए सक्रिय रूप से प्रयास किया था। इस साझेदारी का उद्देश्य रेस्टोरेंट को न्यायसंगत और पारदर्शी शर्तों पर डिजिटल कॉमर्स में भाग लेने में सक्षम बनाना था।

ओएनडीसी में वरिष्ठ उपाध्यक्ष मरीची माथुर ने कहा, एनआरएआई के साथ हमारा जुड़ाव जारी है और साथ मिलकर हम एक समावेशी, पारदर्शी और अंतर-संचालन नेटवर्क बनाने के लिए काम कर रहे हैं, जो लाखों रेस्टोरेंट्स और फूड ब्रांड्स को अपनी शर्तों पर डिजिटल कॉमर्स में भाग लेने के लिए सशक्त बनाता है।

माथुर ने कहा, यह साझेदारी सभी आकार के फूड बिजनेस के लिए एक्सेस, विजिबिलिटी और समान विकास को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है। हम ऐसे इनोवेटिव रास्ते तलाश रहे हैं, जो उद्योग के हितधारकों और उपभोक्ताओं दोनों के लिए लाभदायक हों।

बॉलीवुड स्टार्स और क्रिकेटर्स ने प्री-आईपीओ में किया निवेश

आमिर खान, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह और करण जौहर ने भी निवेश करने का फैसला लिया

मुंबई।

करमतारा इंजीनियरिंग, रिन्यूबल एनर्जी और ट्रांसमिशन सेक्टर्स के प्रॉडक्ट्स बनाने वाली कंपनी ने प्री-आईपीओ राउंड में धमाकेदार निवेश किया है। इस इंजीनियरिंग कंपनी द्वारा जारी किए गए समाचार के मुताबिक, बॉलीवुड स्टार रणबीर कपूर ने 5 करोड़ रुपये का निवेश करके 1,61,300 शेयर खरीदे हैं। आमिर खान, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह और करण जौहर भी इस आईपीओ में शामिल होकर निवेश करने का फैसला लिया है। साथ ही कंपनी के प्रमोटर्स तनवीर सिंह और राजीव सिंह ने 310 रुपये प्रति शेयर के दाम पर 34,09,724 इक्विटी शेयर ट्रांसफर किए हैं। इस मामूली तिथिक पेपर से कंपनी को 106 करोड़ रुपये की वैल्यू मिली है। करमतारा इंजीनियरिंग ने जनवरी में बाजार नियामक सेबी के पास प्रीलिमनेरी पेपर्स जमा करके आईपीओ के जरिए 1750 करोड़ रुपये जुटाने की मंजूरी मांगी है। इस आईपीओ में 1350 करोड़ रुपये के शेयरों का फ्रेश इश्यू और 400 करोड़ रुपये के ऑफर फॉर सेल होगा। वित्त वर्ष 2024 में कंपनी को 102.65 करोड़ रुपये का बाद टैक्स मुनाफा

हुआ था। आईपीओ के ड्राफ्ट पेपर्स में कंपनी ने बताया है कि वह विंड एनर्जी सेक्टर में उतर रही है और एक मूलांकन प्लांट लगा रही है।

अमेरिका की इकॉनमी में पहली तिमाही में गिरावट

इकानॉमी में गिरावट से मंदी की आहट

नई दिल्ली।

अमेरिका की इकॉनमी में पहली तिमाही में 0.3 फीसदी की गिरावट आने से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। यह तीन सालों में पहली बार है जब अमेरिका की आर्थिक स्थिति में ऐतिहासिक गिरावट दर्ज की गई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति को इसकी प्रमुख वजह मानी जा रही है। कॉमर्स डिपार्टमेंट के ब्यूरो ऑफ इकोनॉमिक एनालिसिस के अनुसार पिछली तिमाही में जीडीपी में 0.3 फीसदी की सालाना गिरावट आई थी। मार्च में माल के व्यापार घाटे के चलते भारी आयात होने से अर्थशास्त्रियों ने अपने जीडीपी के अनुमान घटा दिए हैं। अमेरिकी आयात में पहली तिमाही में तेजी आई है, जो ट्रंप के टैरिफ से बचने के लिए अमेरिकी कंपनियों ने की गई। चौथी तिमाही में अर्थव्यवस्था 2.4 फीसदी की दर से बढ़ी थी, लेकिन पहली तिमाही में 0.3 फीसदी की गिरावट से बाजार में सतर्कता बढ़ी है। ट्रंप के फिसलने वाले अर्थनीतिक कदमों और चीन के साथ चरमपंथी ट्रेड वॉर के मद्देनजर अर्थशास्त्रियों का कहना है कि अमेरिका में महंगाई बढ़ने और मंदी आने की आशंका है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में इस ठीक करने का प्रयास किया है, लेकिन भावुकता बाजार की स्थिति में गहराई बढ़ गई है।

मल्टी एसेट म्युचुअल फंड्स को मार्च 2025 में मिला ज्यादा निवेश

डेट फंड्स से 1.10 लाख करोड़ रुपए की भारी निकासी

नई दिल्ली।

मार्च 2025 में एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार मोतीलाल ओसवाल एसेट मैनेजमेंट कंपनी ने दर्ज किया है कि हाइब्रिड कैटेगरी में इस महीने सबसे ज्यादा निवेश किया गया है। इस रिपोर्ट के अनुसार, मल्टी एसेट फंड्स में पिछले महीने हुए कुल नेट इन्वेस्टमेंट का लगभग 74 फीसी हिस्सा हाइब्रिड कैटेगरी में गया है।

इसके साथ ही बैलेंस्ड एडवांटेज और एग्रेसिव हाइब्रिड फंड्स में भी अच्छा इनफ्लो देखने को मिला है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि निवेशकों की रुचि अब डेट फंड्स की तुलना में इक्विटी या मल्टी एसेट फंड्स में ज्यादा है। मोतीलाल ओसवाल एसेट मैनेजमेंट कंपनी की व्हेयर द मनी फ्लोज़ रिपोर्ट के अनुसार इस दौरान म्युचुअल फंड इंडस्ट्री में कुल मिलाकर लगभग 25,000 करोड़ का नेट निवेश हुआ है। पैसिव फंड्स में सबसे ज्यादा निवेश किया गया है, जबकि एक्टिव फंड्स से निकासी हुई है। डेट फंड्स से इस दौरान भी भारी निकासी हुई है।

इस दौरान, म्युचुअल फंड इंडस्ट्री ने 73 नई स्कीमें लॉन्च कीं और इनमें कुल 13,067 करोड़ जुटाए गए हैं। कंपनी ने कहा` कि मार्च 2025 में म्युचुअल फंड इंडस्ट्री का एसेट अंडर मैनेजमेंट बढ़कर 65.74 लाख करोड़ पर पहुंच गया है।

कंपनी के एक अे धिकारी ने कहा कि घरेलू बचत अब धीरे-धीरे फाइनेंशियल एसेट्स की ओर शिफ्ट हो रही है और निवेशकों का विश्वास म्युचुअल फंड प्रोडक्ट्स में बढ़ रहा है।

ओप्पो रेना 14 सीरिज को लांच करने की तैयारी

मुंबई।

ओप्पो अपनी नई स्मार्टफोन सीरीज, ओप्पो रेना 14 सीरिज को लांच करने की तैयारी की है। हालांकि कंपनी ने अभी तक लांच डेट की पुष्टि नहीं की है, लेकिन अपकमिंग सीरीज के बेस मॉडल ओप्पो रेनो 14 के पहले फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर किए हैं। फोटोज के अनुसार, ओप्पो रेनो 14 में ब्रैंड-न्यू कैनन-स्टाइल कैमरा सेटअप दिया जाएगा, जिसे कोल्ड-कार्विंग टेक्नोलॉजी से तैयार किया है। यह डिज़ाइन लार्ज आर-ऐंगल और एल्युमिनियम अलॉय साइड फ्रेम के साथ होगा, जिससे फोन का लुक आईफोन जैसा प्रतीत होता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रेनो 14 का टेक्सचर और फिनिश इतना रिफाइंड है कि यह एक झटके में आईफोन जैसा दिखाई देता है। हालांकि, फोन के फ्रंट लुक की जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है, लेकिन संभावना है कि फोन को फ्लैट डिस्प्ले के साथ लांच किया जाएगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फोन में 6.59 इंच का ओलेड एलटीपीएस डिस्प्ले होगा, जो 1.5के रेज़ॉलूशन और 120 एचजेड रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करेगा। प्रोसेसर के तौर पर इस फोन में मीडियाटेक डाइमेंसिटी 8350 चिपसेट दिया जाएगा। फोटोग्राफी के लिए रियर में एलईडी फ्लैश के साथ तीन कैमरे होंगे, जिसमें 50 मेगापिक्सल का मेन कैमरा, 8 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड ऐंगल कैमरा और 50 मेगापिक्सल का टेलिफोटो लेंस शामिल होगा।

ओप्पो रेनो 14 में 50 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा होगा और इस 6000 एमएएच की बैटरी से पावर मिलेगा, जो 80 वॉट की फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करेगा।

ट्रंप ऑटो टैरिफ वॉर कहीं तोड़ ना दें भारतीय ऑटो कंपोनेंट इंडस्ट्री की कमर

नई दिल्ली।

भारतीय ऑटो कंपोनेंट इंडस्ट्री को अमेरिका के नए टैरिफ नियमों से बड़ा झटका लग सकता है, इससे न केवल कंपनियों का मुनाफा प्रभावित होगा, बल्कि रोजगार, निवेश और 'मेक इन इंडिया' अभियान पर भी असर पड़ सकता है। रेटिंग एजेंसी आईसीआरए के अनुसार, अमेरिका द्वारा इंजन, पावरट्रेन और इलेक्ट्रिकल कंपोनेंट्स जैसे प्रमुख उत्पादों पर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने से भारतीय निर्यातकों के ऑपरेटिंग प्रॉफिट में 10 से 15 फीसदी की गिरावट हो सकती है। वहीं, पूरी इंडस्ट्री के कुल मुनाफे पर 3 से 6 फीसदी तक का असर होगा। इससे वित्त वर्ष 2026 में ऑटो कंपोनेंट इंडस्ट्री की रेवेन्यू ग्रोथ घटकर 6-8 फीसदी रह सकती है, जबकि पहले इसका अनुमान 8-10 फीसदी था। भले ही भारत का घरेलू बाजार इस इंडस्ट्री की रीढ़ हो, लेकिन अमेरिका ऑटो पार्ट्स के लिए एक बड़ा निर्यात बाजार है। वर्ष 2024 में 46 प्रमुख निर्यातकों का कुल राजस्व 3 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा था, इसमें अमेरिकी हिस्सेदारी 8 फीसदी रही। बीते पांच वर्षों में अमेरिका को निर्यात औसतन 15 फीसदी सालाना की दर से बढ़ा है। विशेषज्ञों के अनुसार नए टैरिफ से पूरी सप्लाई चेन पर 9,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च आएगा। कंपनियां लागत का कुछ हिस्सा ग्राहकों पर डालने की कोशिश करेंगी, लेकिन उनकी सौदेबाजी की क्षमता और बाजार में प्रतिस्पर्धा तय करेगी कि यह कितना संभव हो पाएगा। यदि भारतीय कंपनियों को 30 से 50 प्रतिशत लागत खुद वहन करनी पड़ी, तब उनका मुनाफा 1.5 से 2.5 फीसदी तक कम हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मिशिगन दौरे के दौरान कुछ राहत देने संबंधी आदेशों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे अमेरिकी कार निर्माताओं को अस्थायी छूट मिलेगी। इसके बावजूद इंडस्ट्री और वैश्विक साझेदारों में व्यापार नीति को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। चीन पर भी इसतरह के टैरिफ लागू किए गए हैं, जिससे भारतीय कंपनियों को प्रतिस्पर्धात्मक फायदा मिल सकता है। वहीं, कुछ कंपनियों को अमेरिकी खरीदारों से नए ऑर्डर के बारे में पूछताछ मिल रही है, जिससे हल्की राहत की उम्मीद बनी है। हालांकि, 3 मई 2025 से लागू होने वाले इन टैरिफ का असर भारत के 65 फीसदी ऑटो कंपोनेंट निर्यात पर पड़ेगा। इससे पहले अमेरिका ने मार्च 2025 में स्टील और एल्युमिनियम पर भी शुल्क बढ़ाया था, जिसके जवाब में भारत ने अमेरिकी गाड़ियों पर 26 फीसदी शुल्क लगाने की घोषणा की थी, जिसे 90 दिनों के लिए टाल दिया गया है।

टाटा मोटर्स हैचबैक अल्ट्रोज के फेसलिफ्ट वर्जन उतारने को तैयार

मुंबई।

टाटा मोटर्स अपनी प्रीमियम हैचबैक अल्ट्रोज का फेसलिफ्ट वर्जन 21 मई 2025 को लांच होगी है। यह बदलाव अल्ट्रोज के लिए अब तक का सबसे बड़ा अपडेट है, इस पहली बार जनवरी 2020 में लांच किया गया था। टेस्टिंग के दौरान सामने आई तस्वीरों से पता चलता है कि नई अल्ट्रोज में फ्रंट बंपर को और अधिक शार्प डिज़ाइन के साथ आएगी। इसमें ड्यूल-पॉड एलईडी हेडलैम्प्स, नए एलईडी फॉग लैंप्स और सेगमेंट में पहली बार फ्लश-टाइप डोर हैंडल्स देखने को मिल सकते हैं। पीछे की ओर नई एलईडी टेललाइट्स और री-डिज़ाइन किया गया बंपर कार को और अधिक शानदार लुक देते हैं। इंटीरियर में भी बड़ा बदलाव हुआ है, इसमें 10.25 इंच का नया टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम मिलेगा, जो नेक्सान की तरह वायरलेस कनेक्टिविटी और आईआरए टेक्नोलॉजी से लैस होगा। इसके अलावा, इल्युमिनेटेड स्टीयरिंग व्हील और नया अपहोल्स्ट्री डिज़ाइन दिखेगा। सुरक्षा के हिसाब से फेसलिफ्टेड अल्ट्रोज़ में छह एयरबैग्स, 360 डिग्री कैमरा और आईएसओएफआईएक्स चाइल्ड सीट एंकर जैसे फीचर्स स्टैंडर्ड रहने वाले है। साथ ही, इसमें एडीएएस जैसे लेन डिपार्चर वार्निंग जैसे फीचर्स भी मिल सकते हैं।

इंजन मौजूदा पेट्रोल, टर्बो पेट्रोल, डीज़ल और सीएनजी वेरिएंट बरकरार रहेगा। अल्ट्रोज़ की 5-स्टार एनसीएपी सेफ्टी रेटिंग सेगमेंट में एक मजबूत दावेदार बनाए रखेगी।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक कजोड़मल मीना के लिए स्काईटक प्रिन्टर्स, 111, नवाब कल्लन का बाग, एमएलए क्वार्टर, नीयर समाचार जगत, एमआई रोड, जयपुर से मुद्रित एवं 303, भव्य टॉवर, कबीर मार्ग, बनीपार्क जयपुर से प्रकाशित।
(इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी) समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्राधिकार जयपुर शहर होगा। मो. नं. 9928078717